खण्ड-436, अंक-1
गुरूवार, 27 आश्विन, शक संवत् 1922
(19 अक्टूबर, 2000 ई0)

उत्तर प्रदेश विधान सभा

की

कार्यवाही

(अधिकृत विवरण)

(तेरहवीं विधान सभा, द्वितीय सत्र 2000)

खण्ड 436 में 4 अंक है

उत्तर प्रदेश विधान सभा सचिवालय (कार्यवाही अनुभाग) द्वारा प्रकाशित

मुद्रक:

निदेशक, राजकीय मुद्रण एवं लेखन सामग्री, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (भारत)

2000

मूल्य : बिना महसूल रु0 16.75 पैसे, महसूल सहित रु0 21.00 पैसे |

वार्षिक चन्दा : बिना महसूल रु0 586.25 पैसे, महसूल सहित रु0 724.25 पैसे |

विषय-सूची

विषय	पृष्ठ संख्या
तेरहवीं विधान सभा के सदस्यों की सूची	क–च
महामहिम राज्यपाल, मंत्रि-परिषद्, नेता विरोधी दल, उत्तर प्रदेश विधान सभा के पदाधिकारी तथा अधिष्ठाता मण्डल	छ–ठ
उपस्थित सदस्य	ड–ढ
राष्ट्रीय गीत	1
वर्तमान विधान सभा के सदस्य श्री बाबू राम यादव के निधन पर शोकोद्गार	1-9
विधान सभा के पूर्व सदस्य श्री धरम राम, श्री इसरारुल हक, श्री सुल्तान रजा मिर्जा, श्री विष्णु प्रताप सिंह, श्री संकठा प्रसाद शास्त्री, श्री बेनी प्रसाद माधव, श्री किशुन लाल मदेशिया, श्री राजबली, श्री गोस्वामी राधाकृष्ण, श्री चन्द्रबली ब्रह्मचारी तथा श्री नाथूराम शिक्षक के निधन पर शाकोद्गार	9-14

हिंदी अकादमी

उत्तर प्रदेश विधान सभा

(तेरहवीं विधान सभा के सदस्यों की सूची)

1–अब्दुल सलाम, श्री	प्रतापगढ़
2–अकबर हुसैन, श्री	मुरादाबाद
3–अक्षयवर लाल, श्री	बहराइच
4–अखिलेश कुमार सिंह, श्री	रायबरेली
5–अजय कुमार पोइया, श्री	मथुरा
6–अजय प्रताप सिंह उर्फ लल्ला भइया, श्री	गोण्डा
7–अजय भट्ट, श्री	अल्मोड़ा
8–अजय राय, श्री	वाराणसी
9–अजित कुमार मेहरोत्रा, श्री	सीतापुर
10–अतीक अहमद, श्री	इलाहाबाद
11–अतुल कुमार, श्री	मेरठ
12–अनिल कुमार, श्री	बलिया
13–श्री अनिल कुमार यादव, श्री	मैनपुरी
14–अनीस खां, श्री	पीलीभीत
15–अफजाल अंसारी, श्री	गाजीपुर
16–अफजाल अहमद, श्री	जौनपुर
17–अफरोज अली खां, श्री	रामपुर
18–अब्दुल कलाम, श्री	बस्ती
19–अब्दुल कलाम, श्री	वाराणसी
20–अब्दुल खालिक, श्री	अलीगढ़
21–अब्दुल मन्नान, श्री	हरदोई
22–अमर मणि, श्री	महराजगंज
23–अमित अग्रवाल, श्री	मेरठ
24–अम्बरीष कुमार, श्री	हरिद्वार
25–अम्बिका चौधरी, श्री	बलिया
26–अम्मार रिजवी, डा०	सीतांपुर
27–अयोध्या प्रसाद पाल, श्री	फतेहपुर
28–अरविन्द कुमार जैन, श्री	ललितपुर
29–अरविन्द गिरि, श्री	खीरी
30–अरिमर्दन सिंह, श्री	महोबा
31–अरुण प्रताप सिंह, श्री	सुल्तानपुर
32–अरुणवीर सिंह, श्री	बहराइच
33–अवधेश प्रसाद, श्री	फैजाबाद
34–अशफाक अहमद, श्री	बरेली
35–अशोक कुमार, श्री	जौनपुर
36–अशोक कुमार सिंह, श्री	रायबरेली
37–अशोक बाजपेयी, डा०	हरदोई
38–अशोक यादव, श्री	फिरोजाबाद
39–आचार्य रामदेव वैश्य, श्री	बाराबंकी
40–आनन्द प्रकाश, श्री	पडरौना
41–आर० के० चौधरी, श्री	लखनऊ
42–आर०के० सिंह पटेल, श्री	बांदा
43–आलमबदी, श्री	आजमगढ़
44–इकबाल महमूद, श्री	मुरादाबाद
45–इन्द्रजीत सरोज, श्री	इलाहाबाद
46–इन्द्रदेव सिंह, डा०	बिजनौर
47–इलम सिंह, श्री	सहारनपुर
48–उदय राज यादव, श्री	उन्नाव
49–उमाकान्त यादव, श्री	जौनपुर
50–उर्मिला देवी, श्रीमती	मैनपुरी
51–उबैदुर्रहमान, श्री	गोण्डा
52–ओइम्वेश, स्वामी	बिजनौर
53–ओमकार सिंह, श्री	बदायूं
54–ओम प्रकाश, श्री	एटा
55–ओम प्रकाश गुप्त, श्री	सीतापुर
56–ओम प्रकाश सिंह, श्री	मिर्जापुर
57–कमला प्रसाद रावत, श्री	बाराबंकी
58–कमलेश कुमार सिंह, श्री	बलरामपुर
59–कल्याण सिंह, श्री	अलीगढ़
60–काजिम अली खां उर्फ नवेद मियां, श्री	रामपुर
61–काजी मोहम्मद मुहिउद्दीन, श्री	हरिद्वार
62–काशिम हसन, श्री	फतेहपुर
63–काशीनाथ, श्री	सुल्तानपुर
64–काशी राम, श्री	रामपुर
65–किशन लाल बघेल, सेठ	आगरा
66–कृपा शंकर सिंह, श्री	उन्नाव

67–कृष्ण चन्द्र पुनेठा, श्री पिथौरागढ़
68–कृष्ण पाल सिंह, श्री कानपुर देहात
69–कृष्णा राज, श्रीमती खीरी
70–केदार सिंह फोनिया, श्री चमोली
71–केशरी नाथ त्रिपाठी, श्री इलाहाबाद
72–केशो मेहरा, श्री आगरा
73–के०सी० सिंह "बाबा", श्री उधम सिंह नगर
74–कैलाश, श्री गाजीपुर
75–कैलाश सिंह राजपूत, श्री फर्रुखाबाद
76–कोविद कुमार, श्री शाहजहांपुर
77–कौकब हमीद, श्री मेरठ
78–कौशल किशोर, डा० खीरी
79–गंगा प्रसाद पुष्कर, श्री आगरा
80–गंगा बख्श सिंह, श्री उन्नाव
81–गंगा सिंह चौहान, श्री हरदोई
82–गजेन्द्र कुमार मुन्ना, श्री मेरठ
83–गणेश राजभर, श्री गाजीपुर
84–गुलाब देवी, श्रीमती मुरादाबाद
85–गोपाल कृष्ण, श्री पीलीभीत
86–गोमती यादव, श्री लखनऊ
87–गोरखनाथ पाण्डेय, श्री भदोही
88–गौरी देवी, श्रीमती गोरखपुर
89–गौरी शंकर एडवोकेट, श्री लखनऊ
90–चन्द्र किशोर, श्री महराजगंज
91–चन्द्र पाल सिंह यादव, श्री झांसी
92–चन्द्रमणि कान्त सिंह, श्री बहराइच
93–चन्द्रेश पासवान, श्री गोरखपुर
94–चेतराम, श्री शाहजहांपुर
95–चौधरी नरेन्द्र सिंह, श्री कानपुर देहात
96–चौधरी बाबू लाल, श्री आगरा
97–चौधरी लक्ष्मी नारायण, श्री मथुरा
98–छब्बू पटेल, श्री वाराणसी
99–छोटे लाल गंगवार, मास्टर बरेली
100–छोटे लाल राजभर, श्री बलिया
101–छोटे लाल वर्मा, डा० महोबा
102–छोटे सिंह यादव, श्री फर्रुखाबाद
103–जगपाल, श्री सहारनपुर
104–जगत पाल सिंह, मेजर मुरादाबाद
105–जगत सिंह, श्री मुजफ्फरनगर
106–जगदम्बिका पाल, श्री बस्ती
107–जगदीश नारायण राय, श्री जौनपुर
108–जगदीश सिंह राणा, श्री सहारनपुर
109–जगन प्रसाद गर्ग, श्री आगरा
110–जटा शंकर, श्री बहराइच
111–जन्मेजय सिंह, श्री देवरिया
112–जमालुद्दीन सिद्दीकी, श्री फर्रुखाबाद
113–जय नारायन तिवारी, श्री सुल्तानपुर
114–जयपाल सिंह, श्री मेरठ
115–जय प्रकाश, श्री गाजियाबाद
116–जय प्रकाश निषाद, श्री देवरिया
117–जय प्रताप सिंह, श्री सिद्धार्थनगर
118–जयवीर सिंह भदौरिया, श्री इटावा
119–जितेन्द्र कुमार जायसवाल उर्फ पप्पू भइय्या, श्री गोरखपुर
120–जोखू लाल यादव, श्री इलाहाबाद
121–ज्ञान चन्द, श्री उत्तरकाशी
122–ज्ञानवती सिंह, डा० अलीगढ़
123–ज्ञानेन्द्र सिंह, श्री महराजगंज
124–ज्वाला प्रसाद यादव, श्री जौंनपुर
125–तारकेश्वर प्रसाद शुक्ल, श्री गोरखपुर
126–तिलकराज बेहड़, श्री उधम सिंह नगर
127–तेजभान सिंह, श्री सुल्तानपुर
128–तोताराम, श्री मुरादाबाद
129–तौफीक अहमद, श्री सिद्धार्थनगर
130–दद्दू प्रसाद, श्री बांदा
131–दयाशंकर, श्री जालौन
132–दल बहादुर कोरी, श्री रायबरेली
133–दलवीर सिंह, श्री अलीगढ़
134–दिलीप कुमार, श्री बहराइच
135–दिवाकर विक्रम सिंह, श्री सिद्धार्थनगर
136–दीप लाल भारती, श्री पडरौना
137–दुर्गा प्रसाद यादव, श्री आजमगढ़
138—देवेन्द्र प्रताप, श्री एटा
139–देवेन्द्र सिंह उर्फ भोले सिंह, श्री कानपुर देहात

140–धनराज यादव, श्री — सिद्धार्थनगर
141–धनीराम वर्मा, श्री — इटावा
142–धर्मज्ञ मिश्र,डा० — हरदोई
143–धर्मपाल सिंह, श्री — बरेली
144–धर्मराज निषाद, श्री — अम्बेडकर नगर
145–नन्दराम, श्री — बरेली
146–नरेन्द्र कुमार सिंह गौर, डा० — इलाहाबाद
147–नरेन्द्र सिंह, श्री — आजमगढ़
148–नरेन्द्र सिंह भाटी, श्री — बुलन्दशहर
149–नरेन्द्र सिंह यादव, श्री — फर्रुखाबाद
150–नरेन्द्र सिंह शिशौदिया, श्री — गाजियाबाद
151–नरेश चन्द्र अग्रवाल, श्री — हरदोई
152–नवाब सिंह नागर, श्री — गाजियाबाद
153–नारायण राम दास, श्री — अल्मोड़ा
154–निर्भय पाल शर्मा, श्री — सहारनपुर
155–नीरज चतुर्वेदी, श्री — कानपुर नगर
156–नेतराम सिंह, श्री — एटा
157–"पटेल" रामकुमार वर्मा, श्री — खीरी
158–परवेज हलीम खां, श्री — मेरठ
159–पीटर फैन्थम, श्री — नाम-निर्देशित सदस्य
160–पीतम राम, श्री — पीलीभीत
161–पूरन सिंह बुन्देला, श्री — ललितपुर
162–पूर्णमासी पंकज, श्री — भदोही
163–प्रदीप कुमार, श्री — मुजफ्फरनगर
164–प्रदीप कुमार, श्री — सहारनपुर
165–प्रभा द्विवेदी, श्रीमती — फर्रुखाबाद
166–प्रभु नारायण सिंह यादव, श्री — वाराणसी
167–प्रमोद कुमार, श्री — प्रतापगढ़
168–प्रेम पाल सिंह यादव, श्री — बदायूं
169–प्रेम प्रकाश सिंह, श्री — देवरिया
170–प्रेम लता कटियार, श्रीमती — कानपुर नगर
171–प्रेम स्वरूप पाठक, श्री — बदायूं
172–फतेह बहादुर, श्री — महराजगंज
173–फरीद महफूद किदवाई, श्री — बाराबंकी
174–फागू, श्री — मऊ
175–बंश नारायण सिंह, श्री — भदोही
176–बंशीधर भगत, श्री — नैनीताल
177–बचनूराम पटेल, श्री — वाराणसी
178–बच्चा पाठक, श्री — बलिया
179–बनवारी लाल दोहरे, श्री — फर्रुखाबाद
180–बनारसी दास चान्दना, श्री — मेरठ
181–बांके लाल सोनकर, श्री — जौनपुर
182–बादशाह सिंह, श्री — हमीरपुर
183–बाबू खां, श्री — हरदोई
184–बाबू राम, श्री — जालौन
185–बाबू लाल कुरील, श्री — उन्नाव
186–बाबू लाल कुशवाहा, श्री — बांदा
187–बाल चन्द्र मिश्र, श्री — कानपुर नगर
188–बालेश्वर त्यागी, श्री — गाजियाबाद
189–बावन सिंह, श्री — गोण्डा
190–बिजेन्द्र आर्य, श्री — मुजफ्फरनगर
191–बिन्दु लाल, श्री — गोण्डा
192–बिहारी लाल आर्य, श्री — झांसी
193–बी० आर० वर्मा, श्री — जौनपुर
194–बी० के० गुप्ता, श्री — पीलीभीत
195–दुनियाद हुसैन अंसारी, श्री — सीतापुर
196–बैजनाथ राम, श्री — गोरखपुर
197–ब्रजेन्द्र पाल सिंह, श्री — मुरादाबाद
198–भगवती प्रसाद, श्री — कानपुर देहात
199–भगवान सिंह शाक्य, श्री — बदायूं
200–भरत सिंह, श्री — बलिया
201–भाई लाल, श्री — मिर्जापुर
202–भारत सिंह रावत, श्री — गढ़वाल
203–भीम प्रसाद सोनकर, श्री — अम्बेडकर नगर
204–भोनू राम सोनकर, श्री — गाजीपुर
205–भोला शंकर मौर्य, श्री — बदायूं
206–मंगल सिंह सैनी, श्री — मुरादाबाद
207–मंजू, श्रीमती — बलिया
208–मंडलेश्वर सिंह, श्री — आगरा
209–मतेश चन्द्र सोनकर, श्री — इलाहाबाद
210–मथुरा प्रसाद, श्री — कानपुर देहात
211–मलखान सिंह, श्री — अलीगढ़
212–मस्तराम, चौधरी — उन्नाव
213–महाराज सिंह यादव, श्री — इटावा
214–महेन्द्र अरिदमन सिंह, राजा — आगरा

215–महेन्द्र कुमार, श्री — बुलन्दशहर
216–महेन्द्र कुमार सिंह उर्फ झीन बाबू, श्री — सीतापुर
217–महेन्द्र नाथ पाण्डेय, डा० — वाराणसी
218–महेन्द्र प्रसाद निषाद, श्री — बांदा
219–महेन्द्र सिंह यादव, श्री — बुलन्दशहर
220–मातवर सिंह कण्डारी, श्री — टिहरी गढ़वाल
221–मानिक चन्द यादव, श्री — मैनपुरी
222–माया प्रसाद, श्रीमती — खीरी
223–मारकण्डेय चन्द, श्री — गोरखपुर
224–मिथिलेश कुमारी, श्रीमती — एटा
225–मुख्तार अंसारी, श्री — मऊ
226–मुन्ना चौहान, श्री — देहरादून
227–मुन्ना लाल मौर्य, श्री — फतेहपुर
228–मुरलीधर, श्री — फतेहपुर
229–मुराद लारी, श्री — देवरिया
230–मुस्ताक सोलंकी, श्री — कानपुर नगर
231–मुस्लिम, डा० — रायबरेली
232–मुहर सिंह अम्वाड़ी, श्री — इटावा
233–मूल चन्द, श्री — बिजनौर
234–मोती लाल, श्री — खीरी
235–मोहन सिंह रावत गांववासी, श्री — गढ़वाल
236–मोहम्मद मुकीम, श्री — सिद्धार्थनगर
237–यशपाल सिंह चौहान, श्री — अलीगढ़
238–यशवन्त, श्री — आजमगढ़
239–योगेन्द्र कुमार, श्री — बदायूं
240–योगेन्द्र सिंह सेंगर, श्री — देवरिया
241–रंगनाथ मिश्र, श्री — भदोही
242–रंग बहादुर पटेल, श्री — इलाहाबाद
243–रघुनाथ सिंह चौहान, श्री — अल्मोड़ा
244–रघुराज प्रताप सिंह 'राजा भईया', कुंवर — प्रतापगढ़
245–रघुवर दयाल वर्मा, श्री — फिरोजाबाद
246–रंजन पाल सिंह, श्री — एटा
247–रणधीर सिंह, श्री — मुजफ्फरनगर
248–रतनजीत प्रताप नारायण सिंह, कुंवर — पडरौना
249–रमापति शास्त्री, श्री — गोण्डा
250–रमेश पोखरियाल "निशंक", डा० — गढ़वाल
251–रमेश राही, श्री — सीतापुर
252–रवीन्द्र पुण्डीर, प्रो० — मेरठ
253–रवीन्द्र प्रताप चौधरी, श्री — सिद्धार्थनगर
254–रवीन्द्र शुक्ला, श्री — झांसी
255–राकेश त्यागी, श्री — बुलन्दशहर
256–राकेश धर त्रिपाठी, श्री — इलाहाबाद
257–राकेश सोनकर, श्री — कानपुर नगर
258–राजधारी, श्री — बलिया
259–राजपाल त्यागी, श्री — गाजियाबाद
260–राजपाल सिंह, श्री — मुजफ्फरनगर
261–राजा गज़नफर अली खां, श्री — बिजनौर
262–राजा राम पाण्डेय, श्री — प्रतापगढ़
263–राजाराम पाल, श्री — कानपुर देहात
264–राजीव कुमार सिंह, श्री — बाराबंकी
265–राजेन्द्र यादव, श्री — गाजीपुर
266–राजेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ मोती सिंह, श्री — प्रतापगढ़
267–राजेन्द्र सिंह, श्री — देहरादून
268–राजेन्द्र सिंह पटेल, श्री — फतेहपुर
269–राजेश अग्रवाल, श्री — बरेली
270–राजेश कुमार सिंह, श्री — मुरादाबाद
271–राधेश्याम, श्री — कानपुर देहात
272–राधेश्याम गुप्त, श्री — फतेहपुर
273–राधेश्याम जायसवाल, श्री — सीतापुर
274–राधेश्याम सिंह, श्री — पडरौना
275–राम अचल राजभर, श्री — अम्बेडकर नगर
276–राम अवतार मिश्रा, श्री — शाहजहांपुर
277–राम आसरे पासवान, श्री — बस्ती
278–राम आसरे सिंह कुशवाहा, डा० — कानपुर नगर
279–राम औतार शाक्य, श्री — मैनपुरी
280–राम कुमार एडवोकेट, श्री — उन्नाव
281–राम कृपाल, श्री — इलाहाबाद
282–राम खिलाड़ी, श्री — बदायूं
283–राम चन्द्र मौर्य, श्री — मिर्जापुर
284–राम चन्द्र यादव, श्री — फैजाबाद

285–रामजग, श्री आजमगढ़
286–रामतेज यादव, एडवोकेट, श्री बहराइच
287–राम नक्षत्र, श्री पडरौना
288–राम नरेश रावत, श्री गाजियाबाद
289–राम नरेश यादव, श्री आजमगढ़
290–राम नाथ, श्री प्रतापगढ़
291–रामपाल राजवंशी, श्री सीतापुर
292–रामपाल वर्मा, श्री हरदोई
293–राम पाल सिंह, श्री गोण्डा
294–राम प्यारे सिंह, श्री आजमगढ़
295–राम प्रताप सिंह, श्री गोण्डा
296–राम प्रसाद चौधरी, श्री बस्ती
297–राम बाबू हरित, डा० आगरा
298–राम रतन यादव, श्री सुल्तानपुर
299–राम लखन, श्री सुल्तानपुर
300–राम ललित चौधरी, श्री बस्ती
301–राम विशुन आजाद, श्री गोण्डा
302–रामवीर उपाध्याय, श्री अलीगढ़
303–रामवीर सिंह, श्री फिरोजाबाद
304–राम शंकर पाल, श्री उन्नाव
305–राम सखी, श्रीमती अलीगढ़
306–राम सिंह, डा० अलीगढ़
307–राम सिंह, श्री बुलन्दशहर
308–राम सिंह सैनी, श्री हरिद्वार
309–राम सेवक सिंह, श्री इलाहाबाद
310–राम सेवक सिंह, श्री बदायूं
311–राम स्वरूप शर्मा, श्री मथुरा
312–राम स्वरूप सिंह, श्री बिजनौर
313–राम हर्ष सिंह, श्री सुल्तानपुर
314–रामाधार सिंह, श्री हमीरपुर
315–रामेश्वर दयाल बाल्मीकि, श्री मैनपुरी
316–रामेश्वर सिंह यादव, श्री एटा
317–रिफाकत हुसैन चौधरी, श्री मुरादाबाद
318–रूप चौधरी, श्री मेरठ
319–रेवती रमण सिंह उर्फ "मणि", कुंवर इलाहाबाद
320–लक्ष्मीकान्त बाजपेयी, डा० मेरठ
321–लल्लू सिंह, श्री फैजाबाद
322–लवकुश कुमार, श्री बिजनौर
323–लाखीराम जोशी, श्री टिहरी गढ़वाल
324–लालजी टण्डन, श्री लखनऊ
325–लालजी वर्मा, श्री अम्बेडकरनगर
326–लालमणि प्रसाद, श्री बस्ती
327–लाल सिंह वर्मा, श्री इटावा
328–लोकपति त्रिपाठी, श्री मिर्जापुर
329–वकार अहमद शाह, डा० बहराइच
330–वसीम अहमद, श्री आजमगढ़
331–वहोरन लाल मौर्य, श्री बरेली
332–विक्रमाजीत मौर्य, श्री इलाहाबाद
333–विजमा यादव, श्रीमती इलाहाबाद
334–विजय कुमार, श्री गाजीपुर
335–विजय पाल सिंह, श्री आगरा
336–विजय प्रकाश, श्री इलाहाबाद
337–विजय सिंह, श्री सोनभद्र
338–विद्या सागर गुप्ता, श्री लखनऊ
339–विनय कुमार पाण्डेय "बिन्नू", श्री गोण्डा
340–विनोद कुमार सिंह उर्फ पंडित सिंह, श्री गोण्डा
341–विनोद मणि, श्री महराजगंज
342–विभूति प्रसाद निषाद, श्री आजमगढ़
343–विरेन्द्र सिंह, श्री मुजफ्फरनगर
344–विरेन्द्र सिंह, श्री वाराणसी
345–विरेन्द्र सिंह सिरोही, श्री बुलन्दशहर
346–विवेक कुमार सिंह, श्री बांदा
347–विशन सिंह चुफाल, श्री पिथौरागढ़
348–विशम्भर सिंह, श्री मथुरा
349–विश्वनाथ, श्री पडरौना
350–वीरेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ मुन्ना, श्री शाहजहांपुर
351–वीरेन्द्र सिंह सोलंकी, श्री एटा
352–वेद प्रकाश, श्री बस्ती
353–वेद प्रकाश सिंह, एम०एस०, डा० बिजनौर
354–शब्बीर अहमद, श्री बहराइच
355–शरदवीर सिंह, श्री शाहजहांपुर
356–शिव गणेश लोधी, एडवोकेट, श्री रायबरेली
357–शिव चरन प्रजापति, श्री हमीरपुर

358–शिव पाल सिंह यादव, श्री — इटावा
359–शिव पूजन राम, श्री — वाराणसी
360–शिव प्रताप शुक्ल, श्री — गोरखपुर
361–शिव प्रसाद, श्री — हरदोई
362–शिव बहादुर सक्सेना, श्री — रामपुर
363–शिव शंकर, श्री — बांदा
364–शिव सिंह चक, श्री — फिरोजाबाद
365–शिवाकान्त, श्री — प्रतापगढ़
366–शिवेन्द्र सिंह उर्फ शिव बाबू, श्री — महराजगंज
367–शिशुपाल सिंह यादव, श्री — एटा
368–शेर बहादुर, श्री — अम्बेडकरनगर
369–श्याम किशोर यादव, श्री — लखनऊ
370–श्याम देव राय चौधरी (दादा), श्री — वाराणसी
371–श्याम प्रकाश, श्री — हरदोई
372–श्याम लाल रावत, श्री — सीतापुर
373–श्याम सुन्दर, श्री — रायबरेली
374–श्याम सुन्दर शर्मा, श्री — मथुरा
375–श्रीराम, श्री — मऊ
376–श्रीराम पाल, श्री — जालौन
377–श्रीराम यादव, श्री — जौनपुर
378–संग्राम सिंह, श्री — बाराबंकी
379–संजय गर्ग, श्री — सहारनपुर
380–संजय सिंह, श्री — मुजफ्फरनगर
381–संदीप अग्रवाल, श्री — मुरादाबाद
382–सतीश जतारिया, श्री — झांसी
383–सतीश महाना, श्री — कानपुर नगर
384–सतीश शर्मा, श्री — बुलन्दशहर
385–सत्य प्रकाश सोनकर, श्री — वाराणसी
386–सन्त, श्री — गोरखपुर
387–सन्त राम सिंह, श्री — जालौन
388–समरपाल सिंह, श्री — मेरठ
389–सरजीत सिंह डंग, डा० — मिर्जापुर
390–सरदार सिंह, श्री — मथुरा
391–सरवर अली खां, श्री — बाराबंकी
392–सरस्वती प्रताप सिंह, श्री — खीरी
393–सर्वेश कुमार उर्फ राकेश कुमार, कुंवर, — मुरादाबाद
394–सिंहासन सिंह, श्री — गाजीपुर
395–सीताराम निषाद, श्री — फैजाबाद
396–सीमा द्विवेदी, श्रीमती — जौनपुर
397–सुखदेवी वर्मा, श्रीमती — इटावा
398–सुखपाल पाण्डेय, श्री — बस्ती
399–सुखवीर सिंह पुण्डीर, श्री — सहारनपुर
400–सुधाकर सिंह, श्री — मऊ
401–सुबाष चन्द्र श्रीवास्तव, श्री — देवरिया
402–सुमन लता सिंह, श्रीमती — बरेली
403–सुरेन्द्र नाथ अवस्थी, श्री — बाराबंकी
404–सुरेन्द्र प्रताप, सिंह श्री — बरेली
405–सुरेश कुमार खन्ना, श्री — शाहजहांपुर
406–सुरेश कुमार श्रीवास्तव, श्री — लखनऊ
407–सुरेश चन्द्र आर्य, श्री — उधम सिंह नगर
408–सुरेश चन्द्र तिवारी, श्री — लखनऊ
409–सुशील शाक्य, श्री — फर्रुखाबाद
410–सुशीला अग्रवाल, श्रीमती — मुजफ्फरनगर
411–सूर्य प्रताप शाही, श्री — देवरिया
412–सूर्य भान सिंह, श्री — सुल्तानपुर
413–सौलत अली, एडवोकेट, श्री — मुरादाबाद
414–स्वामी प्रसाद मौर्य, श्री — रायबरेली
415–हरदेव सिंह, श्री — बाराबंकी
416–हरपाल सिंह, श्री — बुलन्दशहर
417–हरवंश कपूर, श्री — देहरादून
418–हरिनारायण, श्री — बलिया
419–हरि प्रसाद उर्फ घमड़ी, श्री — सोनभद्र
420–हरि शंकर तिवारी, श्री — गोरखपुर
421–हरि शंकर माहौर, श्री — अलीगढ़
422–हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव "हरीश जी", श्री — वाराणसी
423–हरीश चन्द्र गंगवार, श्री — बरेली
424–हीरालाल गौतम, श्री — आजमगढ़
425–हुकुम सिंह, श्री — मुजफ्फरनगर
426–होराम सिंह, श्री — बुलन्दशहर

महामहिम राज्यपाल

श्री सूरजभान

मंत्रि-परिषद्

क्र०सं०	नाम	कार्य विभाग (पोर्टफोलियो)
I	श्री राम प्रकाश (मुख्य मंत्री)	सामान्य प्रशासन, गृह, गोपन, नियुक्ति, कार्मिक, सूचना, निर्वाचन, विधायी, राज्य सम्पत्ति, नागरिक उड्डयन, औद्योगिक विकास एवं प्रोटोकाल ।
2	श्री हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव "हरीश जी"	वित्त
3	श्री लालजी टण्डन	आवास, नगर विकास
4	श्री ओम प्रकाश सिंह	सिंचाई, बाढ़ नियंत्रण, उच्च शिक्षा, लोक निर्माण
5	श्री नरेश अग्रवाल	ऊर्जा
6	श्री दिवाकर विक्रम सिंह	कृषि
7	डा० नरेन्द्र कुमार सिंह गौर	गन्ना विकास, चिकित्सा शिक्षा
8	श्री चौधरी नरेन्द्र सिंह	खाद्य एवं रसद
9	श्री रमापति शास्त्री	स्वास्थ्य एवं चिकित्सा
10	श्री मारकण्डेय चन्द	लघु सिंचाई, ग्रामीण अभियंत्रण ।
11	श्री राजधारी सिंह	वन
12	डा० नैपाल सिंह	माध्यमिक शिक्षा, भाषा
i	श्री सूर्य प्रताप शाही	आबकारी
14	श्री "पटेल" राम कुमार वर्मा	सहकारिता

क्र०सं०	नाम	कार्य विभाग (पोर्टफोलियो)
15	श्रीमती प्रेमलता कटियार	समाज कल्याण, अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति कल्याण, पिछड़ा वर्ग कल्याण ।
16	श्रीमती प्रभा द्विवेदी	महिला कल्याण, बाल विकास एवं पुष्टाहार प्राविधिक शिक्षा ।
17	श्री सरदार सिंह	मातृ एवं शिशु कल्याण, परिवार कल्याण ।
18	श्री राधेश्याम गुप्ता	न्याय.
19	श्री बाबू राम, एम०काम०	संस्थागत वित्त एवं व्यापार कर
20	श्री हुकुम सिंह	संसदीय कार्य, स्टाम्प एवं न्यायालय शुल्क, पंजीयन एवं मनोरंजन कर ।
21	श्री शिव प्रताप शुक्ल	ग्राम्य विकास
22	श्री बच्चा पाठक	पर्यावरण, अतिरिक्त ऊर्जा ।
23	श्री वीरेन्द्र सिंह सिरोही	राजस्व
24	श्री हरिशंकर तिवारी	वस्त्रोद्योग एवं रेशम उद्योग
25	श्री मण्डलेश्वर सिंह	भूमि विकास एवं जल संसाधन परती भूमि विकास ।
26	श्री राजा महेन्द्र अरिदमन सिंह	परिवहन
27	डा० रमेश पोखरियाल "निशंक"	संस्कृति, पूर्त एवं धर्मस्व ।
[illegible]	[illegible] नारायण	कारागार
29	श्री श्याम सुन्दर शर्मा	होमगार्ड्स, राजनैतिक पेंशन, नागरिक सुरक्षा ।
30	श्री धनराज यादव	उद्यान
31	श्री शिवाकान्त ओझा	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रानिक्स ।

क्र०सं०	नाम	कार्य विभाग (पोर्टफोलियो)
32	श्रीं सरस्वती प्रताप सिंह	लघु उद्योग
33	श्री फागू चौहान	पशुधन एवं मत्स्य
34	श्री राजाराम पाण्डे	खादी एवं ग्रामीण उद्योग
35	कुंवर श्री रघुराज प्रताप सिंह	खेलकूद, युवा कल्याण, प्रान्तीय विकास दल ।
36	श्री जय नरायन तिवारी	सार्वजनिक उद्यम एवं निर्यात प्रोत्साहन, अभाव, सहायता एवं पुनर्वास ।

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

क्र०सं०	नाम	कार्य विभाग (पोर्टफोलियो)
1	श्री महेन्द्र नाथ पाण्डेय	पंचायती राज
2	श्री धर्मपाल सिंह	श्रम
3	श्री जयपाल सिंह	दुग्ध विकास
4	श्री अशोक यादव	पर्यटन
5	श्री राधेश्याम कोरी	अम्बेडकर ग्राम विकास एवं सेवायोजन ।
6	श्री राजा गजनफर अली	अल्पसंख्यक कल्याण, मुस्लिम वक्फ एवं हज ।
7	श्री बालेश्वर त्यागी	बेसिक शिक्षा
8	श्री मातवर सिंह कण्डारी	उत्तरांचल विकास
9	श्री भगवान सिंह शाक्य	राष्ट्रीय एकीकरण एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन ।
10	श्री सुरेश खन्ना	नियोजन

राज्य मंत्री

क्र०सं०	नाम	विभाग या विषय
1	श्री सुखपाल पाण्डेय	परिवहन
2	श्री शिवेन्द्र सिंह	आवास
3	श्री रंगनाथ मिश्र	गृह
4	श्री मंगल सिंह सैनी	सिंचाई
5	श्री सतीश शर्मा	कृषि
6	श्री राम प्रसाद कमल	लोक निर्माण
7	श्री राकेश त्यागी	सहकारिता
8	श्री सतीश महाना	नगर विकास
9	श्री शिव शंकर सिंह	सिंचाई
10	श्री राकेश धर त्रिपाठी	लोक निर्माण
11	श्री लल्लू सिंह	ऊर्जा
12	श्री वीरेन्द्र सिंह	परिवहन
13	श्री विवेक कुमार सिंह	ऊर्जा
14	श्री संग्राम सिंह	कृषि
15	श्री वंश नारायण पटेल	खाद्य तथा रसद
16	श्री फतेह बहादुर सिंह	औद्योगिक विकास
17	श्री हरि नारायण राजभर	ग्रामीण अभियंत्रण एवं लघु सिंचाई
18	डा० राम बाबू हरित	स्वास्थ्य एवं चिकित्सा
19	श्री राम आसरे पासवान	लघु सिंचाई एवं ग्रामीण अभियंत्रण
20	श्री राजेन्द्र सिंह पटेल	ग्राम्य विकास
21	श्री बंशीधर भगत	वन
22	श्री चन्द्र किशोर	माध्यमिक शिक्षा, भाषा ।
23	श्री यशवन्त सिंह	आबकारी
24	श्री नारायण राम दास	आबकारी
25	श्री दलवीर सिंह	गन्ना विकास
26	श्री रामचन्द्र बाल्मीकी	गन्ना विकास
27	श्री दल बहादुर कोरी	समाज कल्याण
28	श्री विक्रमाजीत मौर्य	ऊर्जा
29	डा० शीमा रिजवी	चिकित्सा शिक्षा
30	श्रीमती गुलाब देवी	महिला कल्याण, बाल विकास एवं पुष्टाहार
31	श्री गंगा बख्श सिंह	संस्थागत वित्त एवं व्यापार कर
32	श्री राम आसरे कुशवाहा	वन
33	श्री रामपाल राजवंशी	पर्यावरण, अतिरिक्त ऊर्जा

क्र०सं०	नाम	विभाग या विषय
34	श्री बहोरन लाल मौर्य	राजस्व
35	श्री बिहारी लाल आर्य	खाद्य एवं रसद
36	श्री राम लखन पासी	समाज कल्याण
37	श्री श्रीराम सोनकर	संस्कृति एवं पूर्त धर्मस्व
38	श्री विनय कुमार पाण्डेय	कारागार
39	श्री वेद प्रकाश	होमगार्ड्स, राजनैतिक पेंशन, नागरिक सुरक्षा
40	डा० अरविन्द कुमार जैन	स्वास्थ्य एवं चिकित्सा
41	श्री अमरमणि त्रिपाठी	संस्थागत एवं व्यापार कर
42	श्री प्रेम प्रकाश सिंह	सहकारिता
43	श्री जितेन्द्र कुमार जायसवाल	खेलकूद, युवा कल्याण, प्रान्तीय विकास दल
44	श्री मुन्ना लाल मौर्य	खाद्य तथा रसद

नेता विरोधी दल

श्री धनीराम वर्मा

उत्तर प्रदेश सचिवालय

प्रतिलिपि अधिकार

उत्तर प्रदेश विधान सभा के पदाधिकारी तथा अधिष्ठाता मण्डल

अध्यक्ष

श्री केशरीनाथ त्रिपाठी

उपाध्यक्ष

रिक्त

सचिव

श्री राजेन्द्र प्रसाद पाण्डेय

अधिष्ठाता मण्डल

1–डा० सरजीत सिंह डंग, सदस्य, विधान सभा (मिर्जापुर),

2–श्री बाल चन्द्र मिश्र, सदस्य, विधान सभा (कानपुर नगर),

3–श्री रवीन्द्र शुक्ल, सदस्य, विधान सभा (झांसी),

4–श्री हरवंश कपूर, सदस्य, विधान सभा (देहरादून),

5–डा० अशोक बाजपेयी, सदस्य, विधान सभा (हरदोई),

6–श्री अम्बरीष कुमार, सदस्य, विधान सभा (हरिद्वार),

7–श्री मुन्ना चौहान, सदस्य, विधान सभा (देहरादून),

8–श्री लालजी वर्मा, सदस्य, विधान सभा (अम्बेडकर नगर),

9–डा० अम्मार रिजवी, सदस्य, विधान सभा (सीतापुर),

10–श्री वीरेन्द्र सिंह, सदस्य, विधान सभा (मुजफ्फरनगर) ।

सत्यमेव जयते

उत्तर प्रदेश विधान सभा

(तेरहवीं विधान सभा)

गुरुवार 19 अक्टूबर, 2000 ई०

निम्नांकित सदस्यों के अतिरिक्त अन्य सभी मा० सदस्य उपस्थित थे :—

अजय प्रताप सिंह उर्फ लल्ला भइया, श्री	गोण्डा	फागू, श्री	मऊ
अजय राय, श्री	वाराणसी	बनारसी दास चान्दना, श्री	मेरठ
अतीक अहमद, श्री	इलाहाबाद	बादशाह सिंह, श्री	हमीरपुर
अनिल कुमार, श्री	बलिया	बाबू खां, श्री	हरदोई
अफरोज अली खां, श्री	रामपुर	बाल चन्द्र मिश्र, श्री	कानपुर नगर
अब्दुल कलाम, श्री	बस्ती	मंजू, श्रीमती	बलिया
अब्दुल खालिक, श्री	अलीगढ़	महेन्द्र नाथ पाण्डेय, डा०	वाराणसी
अमित अग्रवाल, श्री	मेरठ	मातवर सिंह कण्डारी, श्री	टिहरी गढ़वाल
अशोक कुमार सिंह, श्री	रायबरेली	रंगनाथ मिश्र, श्री	भदोही
अशोक यादव, श्री	फिरोजाबाद	रघुराज प्रताप सिंह	
ओइमूवेश, स्वामी	बिजनौर	'राजा भईया', कुंवर	प्रतापगढ़
ओम प्रकाश सिंह, श्री	मिर्जापुर	राजाराम पाण्डेय, श्री	प्रतापगढ़
कल्याण सिंह, श्री	अलीगढ़	राजीव कुमार सिंह, श्री	बाराबंकी
किशन लाल बघेल, सेठ	आगरा	राम आसरे पासवान, श्री	बस्ती
गणेश राजभर, श्री	गाजीपुर	राम कृपाल, श्री	इलाहाबाद
चन्द्रमणि कान्त सिंह, श्री	बहराइच	राम खिलाड़ी, श्री	बदायूं
चन्द्रेश पासवान, श्री	गोरखपुर	राम विशुन आजाद, श्री	गोण्डा
जगदम्बिका पाल, श्री	बस्ती	रामवीर उपाध्याय, श्री	अलीगढ़
ज्वाला प्रसाद यादव, श्री	जौनपुर	लक्ष्मीकान्त बाजपेयी, डा०	मेरठ
धनराज यादव, श्री	सिद्धार्थनगर	लल्लू सिंह, श्री	फैजाबाद
नरेन्द्र कुमार सिंह गौर, डा०	इलाहाबाद	लालजी टण्डन, श्री	लखनऊ
नरेन्द्र सिंह यादव, श्री	फर्रुखाबाद	विजय सिंह, श्री	सोनभद्र
पूरन सिंह बुन्देला, श्री	ललितपुर	विरेन्द्र सिंह, श्री	मुजफ्फरनगर
प्रदीप कुमार, श्री	सहारनपुर	शिव प्रताप शुक्ल, श्री	गोरखपुर
प्रेम लता कटियार, श्रीमती	कानपुर नगर	शिव शंकर, श्री	बांदा
फतेह बहादुर, श्री	महराजगंज	श्याम प्रकाश, श्री	हरदोई
फरीद महफूज किदवई, श्री	बाराबंकी	संदीप अग्रवाल, श्री	मुरादाबाद

त

सतीश जतारिया, श्री	झांसी	सरस्वती प्रताप सिंह, श्री	खीरी
सत्य प्रकाश सोनकर, श्री	वाराणसी	सूर्य प्रताप शाही, श्री	देवरिया
सन्त राम सिंह, श्री	जालौन	हरि प्रसाद उर्फ घमड़ी, श्री	सोनभद्र
समरपाल सिंह, श्री	मेरठ	हरि शंकर तिवारी, श्री	गोरखपुर

विधान सभा

गुरुवार, दिनांक 19 अक्टूबर, 2000

(विधान सभा की बैठक सभा-मण्डप, लखनऊ में दिन के 11 बजे अध्यक्ष श्री केशरी नाथ त्रिपाठी की अध्यक्षता में आरम्भ हुई ।)

राष्ट्रीय गीत

श्री अध्यक्ष–

विधान सभा के वर्तमान सत्र में सभी माननीय सदस्यों का स्वागत करता हूं । हम आज की कार्यवाही वन्दे मातरम् से प्रारम्भ कर रहे हैं । सभी से अनुरोध है कि वन्दे मातरम् का गायन करें ।

वन्दे मातरम्

वन्दे मातरम् । वन्दे मातरम् ।।
सुजलाम् ।
सुफलाम् ।
मलयज शीतलाम् ।
शस्य श्यामलाम् ।
मातरम् । वन्दे मातरम् ।।
शुभ्र–ज्योत्सना–पुलकित–यामिनीम्
फुल्ल–कुसुमित–द्रुमदल–शोभिनीम्
सुहासिनीम्
सुमधुर भाषिणीम्
सुखदाम्
वरदाम्
मातरम् । वन्दे मातरम् ।।

कृपया अपना स्थान ग्रहण कर लें ।

वर्तमान विधान सभा के सदस्य श्री बाबू राम यादव के निधन पर शोकोद्गार

* मुख्य मंत्री (श्री राम प्रकाश)–

मान्यवर, अध्यक्ष महोदय, मुझे माननीय सदन को सूचित करते हुए अपार दुःख हो रहा है कि हमारे इस सदन के माननीय वर्तमान सदस्य रहे श्री बाबू राम यादव जी का अचानक जुलाई में हृदय गति रुकने के कारण निधन हो गया । श्रीमन्, श्रीमान् बाबू राम यादव जी एक बड़े कर्मठ, निष्ठावान और जिनकी छवि एक ईमानदार प्रशासक की थी, ऐसे समाजसेवी थे । मैनपुरी जनपद के करहल विधान सभा क्षेत्र से वे पहली बार 1985 में चुने गये और तब से लगातार बार-बार इस माननीय सदन में आये और बड़े महत्वपूर्ण कार्य किये । हमें विशेष रूप से इस बात का दुःख है कि एक होनहार नेतृत्व जो बहुत

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया ।

समय तक हमारे प्रदेश को सही दिशा दे सकता था, अल्प आयु में ही भगवान ने उनको हमसे छीन लिया ।

श्रीमन्, श्री बाबू राम यादव मुलायम सिंह जी के मंत्रिमंडल में 2 बार मंत्री रहे, आपातकाल में काफी लम्बे समय तक विभिन्न जेलों में रहे । अनेक संस्थाओं का प्रभावी कार्य करने का उनको मौका मिला और एक संदेश अपने कार्यकलापों से उन्होंने दिया कि व्यक्ति हर क्षेत्र में सही दिशा देने के लिए राजनीतिक जगत में काम कर सकता है । मैं श्री यादव के प्रति अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और मेरी ईश्वर से प्रार्थना है कि उनकी आत्मा को सद्गति प्रदान करे तथा शोक-संतप्त परिवार को यह दारूण दु:ख सहने की शक्ति दें । श्रीमन् मेरा आपसे निवेदन है कि हमारे दल, यह सदन और सरकार की ओर से संवेदना उनके परिवार को पहुंचाने की कृपा करें ।

* नेता विरोधी दल (श्री धनीराम वर्मा)–

माननीय अध्यक्ष जी, बड़े दुख के साथ, माननीय मुख्य मंत्री जी ने स्वर्गीय बाबूराम जी के प्रति जो अपने विचार प्रकट किये हैं, उनसे अपने को सम्बद्ध करते हुये कहना चाहता हूं कि श्री बाबूराम जी बहुत ही लोकप्रिय और सामाजिक व्यक्ति थे । श्रीमन् अनेक वर्षों से उनके साथ रहने और काम करने का मौका मिला । वह हर परिस्थिति में प्रसन्नचित्त रहते थे । गुस्सा उन्हें आता ही नहीं था । परन्तु ईश्वर ने उनको हमसे जल्दी अपने पास बुला लिया और होता भी है कि जो ज्यादा अच्छा व्यक्ति होता है, उसको वह जल्दी अपने पास बुला लेते हैं, ऐसा अक्सर देखा गया है । श्रीमन् बाबूराम जी की सामाजिक सेवाओं के बारे में कुछ कहना मैं समझता हूं, सूरज को दीपक दिखाना है, परन्तु फिर भी 2-4 सामाजिक सेवाओं के बारे में मैं सदन को अवगत कराना चाहता हूं ।

श्रीमन्, वह धनुवां इन्टर कालेज सहित कई इन्टर कालेजों की कार्यकारिणी और उसमें पदाधिकारी रहे । हेमराज डिग्री कालेज की कार्यकारिणी के वह सदस्य थे । मंडी समिति के अध्यक्ष रहे और जब 1977 का इलेक्शन आया, उसके पहले जब इमरजेंसी लगी हुई थी तो उसमें जेल भी गये और यातनायें भी सही । श्रीमन् उनकी लोकप्रियता इस बात से ही साबित होती है कि सन् 1985 से लेकर अब तक 5 चुनाव में लगातार विजयी रहे और उन्होंने इस सदन में जो अपने विचार दिये, चाहे वह विधायक के रूप में दिये, चाहे मंत्री के रूप में दिये । चाहे विधायक के रूप में कार्य किया हो चाहे मंत्री के रूप में कार्य किया हो, निश्चित रूप से यह अत्यन्त सराहनीय और ऐसा कार्य है, जिसे जनता कभी भुलायेगी नहीं । करहल विधान सभा क्षेत्र ही नहीं, मैनपुरी जनपद ही नहीं, समूचे उत्तर प्रदेश में वह एक अच्छे व्यक्ति के रूप में जाने जाते थे और मैं यहां कहना चाहूंगा कि उनकी वह छवि बहुत समय तक जनपद मैनपुरी और इस उत्तर प्रदेश में बनी रहेगी । जनता उसे भूल नहीं पायेगी । श्रीमन्, वैसे तो यह संसार निस्सार है और इसमें आना-जाना रहता है लेकिन जो व्यक्ति इस संसार में आता है, समाजसेवा किया करते हैं, देश को आगे बढ़ाने का काम करते हैं, अपने विचारों से लाभान्वित करते हैं, निश्चित तरीके से उनको देश की जनता कभी भूलाती नहीं है । ऐसी स्थिति में मैं अपनी ओर से, अपने दल की ओर से और सम्पूर्ण सदन की ओर से हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए ईश्वर से यह प्रार्थना करता हूं कि उनके शोक-संतप्त परिवार को शान्ति प्रदान करे और उनको शाश्वत शान्ति प्रदान करे । हमारी भावनाएं उनके परिवारजनों तक पहुंचाने की आप कृपा करें, ऐसी मेरी प्रार्थना है ।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया ।

श्री स्वामी प्रसाद मौर्य–

माननीय अध्यक्ष जी, मैं माननीय नेता सदन एवं माननीय नेता प्रतिपक्ष की भावनाओं से अपने को जोड़ते हुए आज इस शोक वेला में इस वर्तमान विधान सभा के माननीय सदस्य श्री बाबूराम यादव जी अभी 21 जुलाई को हमारे बीच में नहीं रहे, आकस्मिक हृदय गति रुक जाने से निधन हो गया । श्री बाबूराम यादव जी एक बहुत ही अच्छे निर्भीक, वाकपटु वक्ता होने के साथ-साथ अच्छे समाज सेवी और राजनेता थे । 5-5 बार लगातर इस माननीय सदन में चुन करके आना इस बात को परिलक्षित करता है कि वह सीधे धरती से जुड़े हुए थे, लोगों के दिलों में थे और सभी की भावनाओं के अनुरूप कार्य करते थे । यही कारण है कि वह लगातार 5 बार इस सदन में चुनकर के आये ।

श्री बाबूराम यादव जी के निर्भीकतापूर्ण वक्तव्य को मैंने इस सदन में देखा है, सुना है । जिस मजबूती से वह अपनी बात को रखते थे हम उनसे कुछ न कुछ इस सम्बन्ध में सीखा करते इस सदन के साथ श्री बाबू राम जी तमाम शैक्षिक संस्थाओं से भी जुड़े रहे हैं । इण्टर कालेज, डिग्री कालेज एवं विश्वविद्यालय की कार्यकारिणी के सदस्य भी रहे हैं, विशेष रूप से किसानों की बात को बहुत मुखर तरीके से रखते थे । स्वाभाविक है कि ऐसे अच्छे साथी के निधन से हमारे पूरे सदन की अपूरणीय क्षति हुई है जिसको भरा नहीं जा सकता है । जहां मैनपुरी ने एक अच्छे साथी को खोया है वहीं दूसरी ओर इस उत्तर प्रदेश की विधान सभा ने भी एक बहुत ही अच्छे साथी को खोया है । ऐसी शोक-संतप्त बेला में हम और हमारी बहुजन समाज पार्टी के सभी माननीय सदस्यगण उनको अपनी शोक-संवेदना दे रहे हैं। माननीय अध्यक्ष जी, हम आपसे अनुरोध करते हैं कि आप हमारे साथियों द्वारा, बहुजन समाज पार्टी द्वारा, मेरे द्वारा व्यक्त की गयी शोक-संवेदना को उनके शोक-संतप्त परिवार तक पहुंचाने का कष्ट करें ।

कृषि मंत्री (श्री दिवाकर विक्रम सिंह)–

माननीय अध्यक्ष महोदय, आज यह सदन अपने बहुत पुराने नेता, पुराने सदस्य श्री बाबू राम यादव को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित कर रहा है । श्री बाबूराम यादव के साथ इस सदन में सदस्य के रूप में कार्य करने का कई बार अवसर मिला था । वह एक अच्छे साथी थे । अपने क्षेत्र के बहुत अच्छे और कुशल नेता थे । माननीय नेता सदन और माननीय नेता विपक्ष और माननीय नेता बहुजन समाज पार्टी ने जो उनके बारे में अपने विचार व्यक्त किये हैं, मैं उनसे अपने को और अपने दल को सम्बद्ध करता हूं और आपसे निवेदन करता हूं कि हमारे विचारों को उनके शोक-संतप्त परिवार तक पहुंचाने की कृपा करें।

लघु सिंचाई, ग्रामीण अभियंत्रण मंत्री (श्री मारकण्डेय चन्द)–

मान्यवर, इस सम्मानित सदन के वर्तमान सदस्य श्री बाबूराम यादव जी का 21 जुलाई को सोते समय हृदयगति रुक जाने से निधन हो गया । श्री बाबूराम यादव जी का जन्म 5 अप्रैल, 1939 को मैनपुरी जनपद में हुआ था । श्री बाबूराम यादव जी ने एम० ए०, बी० एड० तक शिक्षा प्राप्त की थी । वह अनेकों शिक्षा संस्थाओं और सहकारी संस्थाओं से जुड़े हुए थे । किसानों के संगठन के लिये और किसानों के हित के लिये वह काफी रुचि लेते थे और उनकी संस्थाओं के पदाधिकारी भी रहे । श्री बाबूराम यादव जी की लोकप्रियता का सबसे बड़ा प्रमाण यह है कि एक ही क्षेत्र से लगातार 1985–89, 91, 93 और 96 में वह सदस्य चुने जाते रहे । उनकी कर्मठता और कुशलता एवं मधुर भाषी व्यवहार के आधार पर जनता ने उन्हें अपना नेता 5 बार चुना ।

माननीय मुलायम सिंह के मंत्रिमण्डल में 1989 में वह सिंचाई मंत्री के रूप में रहे और 1991 में राजस्व मंत्री के रूप में उन्होंने अत्यन्त कुशलता के साथ इस प्रदेश का शासन चलाया । मान्यवर, वह आज हमारे बीच में नहीं हैं । सदन ने अपना एक ओजस्वी, कर्मठ सदस्य खो दिया है । उनकी लोकप्रियता मैनपुरी में काफी दिनों तक याद रखी जायेगी । आज इस सदन के सदस्य उनके निधन से

दुःखी हैं । ऐसे अवसर पर हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि उनकी दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करे और इस अवसर पर मैं और मेरा दल उनके प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करता है और ईश्वर से प्रार्थना करता है कि उनकी आत्मा को शांति प्रदान करे और उनके परिवार को असीम शक्ति दे ताकि वह इस दुःख को सहन कर सकें । मान्यवर, आपसे निवेदन है कि मेरे और मेरे दल की शोक-संवेदना को उनके दुखी परिवार तक पहुंचाने की कृपा करें ।

* श्री प्रमोद कुमार–

माननीय अध्यक्ष जी, यह विश्वास करना कठिन है कि पिछले सत्र में जो इस सदन की एक मजबूत , सशक्त और मुखरित होने वाली आवाज अब इस सदन में नहीं रही । यह किसी वज्रघात से कम नहीं था । जब मुझे यह सूचना मिली कि हमारे वरिष्ठ साथी श्री बाबूराम यादव जी अब हमारे बीच में नहीं रहे । उनमें जो संसदीय कौशल और अपनी बात को कहने का जो ढंग था वह अनुकरणीय है। जब सदन में कोई ऐसी परिस्थिति आती थी जहां कोई विधिक राय और संसदीय राय की आवश्यकता पड़ी तो हमेशा श्री बाबूराम जी की आवाज सशक्त रूप से उभरती थी । पीठ से भी उन्हें सम्मान मिलता था और उन्हें सत्तापक्ष और विपक्ष से भी आदर मिलता था ।

उनकी लोकप्रियता जनता के बीच में इसी से जाहिर है कि लगातर उतार-चढ़ाव के बाद भी 1985 में जब जनता ने एक बार चुन लिया तो वह अपने मृत्यु-पर्यन्त तक करहल की जनता का प्रतिनिधित्व करते रहे । उनके न रहने के बाद उनके पुत्र को विजय श्री मिली । वह भी उनकी क्षेत्र में लोकप्रियता का प्रमाण है । सिंचाई मंत्री और राजस्व मंत्री के रूप में भी उन्होंने कार्य किया । उनको अपने विषय का ज्ञान था । उन्हें दूसरे माननीय सदस्यों का सम्मान करना आता था वह आदर देते भी थे और आदर लेते भी थे । उनके निधन से एक संसदीय ज्ञान के धनी व्यक्तित्व को खोकर आज हम पुनः बैठे हैं । निःसन्देह उनकी भरपाई न करहल और न मैनपुरी में हो पायेगी । मैं अपनी ओर से और अपने दल की ओर से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और आपसे आग्रह करता हूं कि उनके परिवारीजनों तक हमारे इस दुःख को, श्रद्धा को पहुंचाने की कृपा करें ।

*श्री कौकब हमीद–

माननीय अध्यक्ष जी, श्री बाबूराम यादव जी 5 बार इस सदन के सदस्य रहे । यह इस बात का सबूत है कि वह बिल्कुल जमीन से जुड़े हुए व्यक्ति थे और हमेशा उनकी आवाज याद रहेगी । जब कोई राय लेनी होती थी तो हमेशा एक आवाज पीछे से आती थी और आपकी पीठ भी उन्हें इस बात की इजाजत देती थी कि वह अपनी बात कहें । वह लोक लेखा समिति के सदस्य थे । देहरादून जाने का प्रोग्राम बन रहा था तो हमने उनसे कहा कि बड़े भाई आप कभी नहीं जाते हैं इस बार आपको चलना है तो उन्होंने वायदा किया था कि जब छोटे भाइयों का इतना स्नेह हो तो मैं जरूर चलूंगा । जब हम लोग चलने लगे तो सूचना मिली कि वह अब नहीं रहे तो बहुत तकलीफ और दुःख हुआ जो आज भी है और हमेशा रहेगा । उनके पुत्र जरूर इस सदन में आ गये हैं लेकिन उनकी खुद की कमी हमेशा रहेगी । माननीय अध्यक्ष जी, मेरी तरफ से और मेरे दल की तरफ से शोक-संवेदना उनके परिवार तक पहुंचाने की कृपा करें ।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया ।

*श्री राम जग–

माननीय अध्यक्ष जी, इस सदन के सम्मानित सदस्य श्री बाबूराम यादव जी एक कुशल राजनीतिज्ञ होते हुए भी एक सामाजिक व्यक्ति थे। उन्होंने एक राजनीतिज्ञ के रूप में पूरे प्रदेश में नाम कमाया। उन्होंने जनता की बेहतर सेवा की और 5 बार इस विधान सभा के अन्दर विधायक के रूप में इस सदन में चुनकर आये और इस सदन में हमारे वर्तमान सदस्य के रूप में थे। इस सदन में उन्होंने बहस में, संवैधानिक सवालों पर, जनता के सवालों पर जिस तरह से अपनी बात रखी वह याद किया जायेगा। वह बड़े निर्भीक और स्पष्टवादी व्यक्ति थे। मान्यवर, संसदीय व्यवस्था में माननीय बाबूराम यादव जी जैसा व्यक्ति मिलना मुश्किल है। मान्यवर, बाबूराम जी ने राजनीतिज्ञ के रूप में जो सेवाएं की उनके निधन से जो क्षति हुई वह अपूरणीय है। उनके बारे में नेता सदन, नेता प्रतिपक्ष, नेता बसपा, नेता कांग्रेस, नेता लोकतांत्रिक कांग्रेस, नेता जनतांत्रिक बसपा और नेता लोकदल ने जो विचार व्यक्त किये उनसे मैं अपने को सम्बद्ध करता हूं और आपसे निवेदन करता हूं कि हमारी और हमारे दल की शोक-संवेदनायें शोक-संतप्त परिवार तक पहुंचाने की कृपा करें।

श्री सुबाष चन्द्र श्रीवास्तव–

अध्यक्ष महोदय, आज अत्यन्त दुःख की घड़ी है जब यह सम्मानित सदन वर्तमान सदस्य श्री बाबू राम जी के निधन पर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित कर रहा है। वह आज हमारे बीच नहीं रहे। वह पांच बार इस सदन के सदस्य रहे। जब कभी सदन में किसी गम्भीर विषय पर चर्चा होती थी तो उस चर्चा को वह अपने अकाट्य तर्कों तथा विचारों से सही दिशा देने का कार्य करते थे। इस सदन के नये माननीय सदस्यों के लिये वह प्रेरणा के स्रोत थे। श्री बाबूराम जी के निधन से प्रदेश की राजनीति में जो रिक्तता आयी है उस की पूर्ति जल्दी नहीं की जा सकती है। वह विभिन्न शिक्षण संस्थाओं से जुड़े रहे वह इण्टरमीडिएट तथा महाविद्यालय की प्रबन्ध समितियों के सदस्य थे। पंत नगर विश्वविद्यालय की कार्यकारिणी के भी वह सदस्य रहे। सन् 1990 व 1993 में माननीय मुलायम सिंह जी के मंत्रिमंडल में वह सिंचाई और राजस्व मंत्री भी रहे। श्री बाबू राम जी जमीनी सच्चाई को सदन में बराबर उजागर किया करते थे। उनके निधन से आज हम सब बेहद दुःखी हैं। मैं अपनी ओर से तथा अपने दल की ओर से शोक-संवेदना व्यक्त करता हूं तथा आपसे निवेदन करता हूं कि हमारी और हमारे दल की संवेदनाएं शोक-संतप्त परिवार तक पहुंचाने की कृपा करें।

(नेता जनता दल राजाराम पाण्डेय गुट व नेता समता पार्टी का नाम पुकारे जाने एवं उनके अनुपस्थित होने पर)

* श्री राजेन्द्र यादव–

मा० अध्यक्ष महोदय, सदन के सम्मानित सदस्य श्री बाबूराम यादव जी आज हमारे बीच नहीं हैं। उनका निधन 21 जुलाई, 2000 को हो गया। उनके निधन से मैनपुरी ही नहीं पूरे प्रदेश में रिक्तता आयी है जिसकी पूर्ति निकट भविष्य में नहीं दिखाई देती। श्री बाबू राम यादव जी की लोकप्रियता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि वह इस सदन के पांच बार सदस्य चुनकर आये। वह विभिन्न संस्थाओं से भी जुड़े रहे। उनके निधन पर जो शोकोद्गार नेता सदन, नेता प्रतिपक्ष, नेता बहुजन समाज पार्टी, नेता लोकतांत्रिक कांग्रेस, नेता कांग्रेस पार्टी, नेता सी० पी० एम० और नेता जनता दल ने व्यक्त

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

किये हैं मैं उनसे अपने को सम्बद्ध करते हुए आपसे निवेदन करता हूं कि मेरी शोक संवेदनाएं उनके परिवार तक पहुंचाने की कृपा करें ।

*श्री देवेन्द्र प्रताप–

माननीय अध्यक्ष जी, आज श्री बाबूराम यादव जी हमारे बीच नहीं हैं । सन् 1985 से लगातार विधान सभा चुनाव जीतते आ रहे हैं । वह एक कर्मठ, व्यवहार कुशल राजनेता थे । वे हमेशा जनता से जुड़े रहे । मैं उनको अपने व अपने दल की ओर से शोक श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं । आपसे निवेदन है कि मेरी व मेरे दल की ओर से शोक-श्रद्धांजलि उनके परिवार तक पहुंचाने की कृपा करें ।

* श्री शिवपाल सिंह यादव–

माननीय अध्यक्ष जी, आज हम सभी बाबूराम यादव जी के निधन पर शोक श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं । स्वर्गीय बाबूराम जी मैनपुरी जनपद के करहल विधान सभा क्षेत्र में एक गांव गढ़िया के किसान परिवार में पैदा हुए थे । वह लगातार 1985 से विधान सभा के सदस्य रहे । स्वर्गीय बाबूराम जी ने गरीबों, पीड़ितों, उपेक्षितों और किसानों के लिये लगतार संघर्ष किया था । वे हमारी समाजवादी पार्टी के नेता ही नहीं बल्कि हमारे परिवार के रूप में एक सदस्य भी थे इसलिये उनसे हमारी बहुत ही घनिष्ठता थी । विधायक के साथ-साथ वह एक शिक्षक भी थे और लम्बे समय तक शिक्षक के रूप में प्रदेश की सेवा की । उनका व्यक्तित्व तो ऐसा था कि उनको इस विधान सभा में लम्बे समय तक रहना चाहिए था लेकिन आज वह हमारे बीच नहीं हैं । आपको याद होगा इस विधान सभा के सत्र में उन्होंने कई गम्भीर मामलों में स्पष्ट फैसले लिये थे । वे एक प्रखर स्पष्टवादी व्यक्ति थे । कड़वी बात भी कहने में वह पीछे नहीं हटते थे । आज वह हमारे बीच में नहीं हैं । हम उनको शोक श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं और आपसे अनुरोध करते हैं कि उनके शोक संतप्त परिवार तक हमारी व हमारे दल की संवेदनायें भिजवाने का कष्ट करें ।

*श्री सरवर अली खां–

माननीय अध्यक्ष जी, श्री बाबूराम जी की हृदयगति रुक जाने से उनका स्वर्गवास हो गया । हमसे पहले तमाम माननीय नेताओं ने तथा हमारे साथियों ने अपने विचार रखे हैं, उनसे अपने को सम्बद्ध करते हुए मैं आपके माध्यम से बताना चाहता हूं कि स्व० श्री बाबू राम यादव जी हमारे पड़ोसी के रूप में भी थे और इस सदन में हमारे बुजुर्ग साथी के रूप में भी थे । माननीय श्री बाबूराम यादव जी अत्यन्त गम्भीर स्वभाव के साथ ही साथ हंसमुख स्वभाव के साथ ही एक समाजसेवी तथा अच्छे इंसान और दोस्त भी थे । उन्होंने अपने विचारों से, अपनी योग्यता से और अपने कार्यों से इस सदन को ही प्रभावितनहीं किया अपितु अपने क्षेत्र से जहां से वह पांच बार लगातार इस आदरणीय सदन में आते रहे, यह उनकी करनी और उनके व्यवहार की ही देन थी और आज उनके सुपुत्र इस सदन में चुनकर आये हैं । उनके अचानक इस निधन पर हम अपनी ओर से, अपने क्षेत्र की ओर से तथा अपने समस्त साथियों की ओर से, आपके माध्यम से निवेदन करना चाहते हैं कि उनके शोक-संतप्त परिवार तक हमारी इन भावनाओं को पहुंचाने का कष्ट करें और ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि इस असीम दुख को सहने की उनके परिवारजनों को शक्ति प्रदान करे ताकि वह इस दुःख को बरदास्त कर सकें ।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया ।

*श्री राम औतार शाक्य–

माननीय अध्यक्ष जी, आज हम इस सदन में दुःख की बेला में खड़े हुए हैं । इस सदन के एक वरिष्ठ सदस्य स्व० श्री बाबू राम यादव जी आज हमारे बीच में नहीं रहे । आज हम उनको शोक-संवेदना व्यक्त करने के लिये इसलिये खड़े हुए हैं कि मैनपुरी जनपद में हमारा और उनका बहुत बड़ा राजनैतिक साथ रहा । वह जिस दल के सदस्य थे, वह जिस दल केअध्यक्ष थे, उसका दसियों साल तक मैं महामंत्री रहा इसलिये मैं व्यक्तिगत जीवन में भी उनसे बहुत जुड़ा हुआ हूं । उनकी सम्यक् वाणी, उनके सम्यक् कर्म और उनके सम्यक् आचरण से उन्होंने अपने जीवन में नये कीर्तिमान स्थापित किये । उन्होंने कभी भी अपराधियों, असामाजिक तत्वों से कभी भी समझौता नहीं किया । उन्होंने हमेशा बेबाकी का परिचय दिया और निर्भीकता का परिचय दिया । राजनैतिक जीवन में कम ही ऐसे लोग होते हैं जो इस तरीके का आचरण करते हैं । उन्होंने जिन मानदण्डों की स्थापना की है, वह आज अनुकरणीय हैं । हम सब लोग उनसे इस बात की प्रेरणा लेते रहेंगे । एक शिक्षक के रूप में, एक सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में, एक राजनैतिक कार्यकर्ता के रूप में और एक प्रशासक के रूप में उन्होंने बहुत बड़े मानदण्ड स्थापित किये हैं । उनके निधन से इस प्रदेश को क्षति हुई है । माननीय नेता सदन, माननीय नेता विरोधी दल तथा विभिन्न दलों के माननीय नेताओं ने जो अपने विचार/शोक-संवेदना प्रकट की है, उनकी भावनाओं से अपने को सम्बद्ध करते हुए आपसे अनुरोध करता हूं कि हमारे ये शोक-संवेदना के भाव उनके परिवारजनों तक पहुंचाने का कष्ट करें ।

* श्री गौरी शंकर एडवोकेट–

माननीय अध्यक्ष जी, आज हम सभी दुःखी हैं । विश्वास ही नहीं होता है कि श्री बाबू राम जी हमारे बीच में नहीं है । क्योंकि हर सत्र में हम सभी देखते थे कि जब कभी कोई चर्चा होती थी श्री बाबू राम जी अचानक खड़े होकर अपनी बात कहते थे । तो आपका ध्यान निश्चित रूप से उनकी ओर जाता था और बड़े स्पष्ट तरीके से जिस बात का वे उल्लेख करते थे आपनेहमेशा उनकी बात को मानकर हमेशा उनको समय दिया । हम सब को लगता है कि ऐसे स्पष्टवादी व्यक्ति बहुत कम लोग होते हैं । चाहे कितनी कड़वी बात क्यों न हो सच हो तो हमेशा बोलते थे चाहे किसी को अच्छी लगे और किसी को बुरी लगे । हमें उनके इस व्यक्तित्व से प्रेरणा लेनी चाहिए कि किसी भी परिस्थिति में कोई कटु सत्य क्यों न हो, उसको बोलने का साहस होना चाहिए । यूं तो सबको जाना है । एक दिन सब चले जायेंगे और हमारे लिये भी शोकोद्गार कहे जायेंगे । मैं 20–25 वर्षों से दुर्भाग्यवश ऐसा देख रहा हूं हमारे साथी जाते रहे हैं । न मालूम कितने लोगों के लिये शोकोद्गार यहां से व्यक्त किये हैं । आने वाले को जाना पड़ता है यह शाश्वत सत्य है । वे भी इसी कड़ी में हमारे बीच से चले गये । मुझे इस सम्बन्ध में भगवद्गीता की ये लाइनें याद आ गई ।

वासांसि जीर्णानि यथा विहाय, नवानि ग्रहणाति नरो पराणि ।

तथा शरीराणि विहाय जीर्णा, न्यन्यानि संयाति नवानिदेही ।।

जैसे हम पुराने कपड़ों को छोड़कर नये वस्त्र धारण करते हैं उसी तरह से आत्मा अजर और अमर है वह पुराना शरीर छोड़कर नया शरीर धारण कर लेती है । "नैनं छिदन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः ।" आत्मा अजर और अमर है । आत्मा परमात्मा में विलीन हो गयी है । आज हम उनको यहां पर याद करते हैं । आपसे अनुरोध है कि हमारी शोक संवेदनाएं उनके शोक-संतप्त परिवार तक पहुंचाने की कृपा करें । आज उनके निधन से राजनैतिक क्षेत्र में ही नहीं, हर क्षेत्र में कमी हो गयी है । ईश्वर

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया ।

से प्रार्थना है कि उनके परिवार को और दुःखी जनों को यह शक्ति प्रदान करें कि वे इस दुःख को सह सकें।

*श्री अवधेश प्रसाद–

मान्यवर, पिछले सत्र में माननीय बाबू राम जी हमारे साथ बैठे थे, आज वे हमसे अलग हो गये हैं। उनके सम्मान में जो भाव माननीय मुख्य मंत्री जी ने, माननीय नेता प्रतिपक्ष ने और अन्य माननीय नेताओं ने दिये हैं, मैं अपने को उनसे सम्बद्ध करता हूं। आदरणीय बाबू राम जी ने जो पहचान इस सदन में दी है उससे मान्यवर, आप भिज्ञ हैं जिस बात को वे कहना चाहते थे चाहे वह किसी को उपयुक्त लगे या नही लेकिन जो सच है वे उसको जरूर कहते थे। जिस बात को कहना चाहते थे आपकी ओर से अनुमति मिल जाने पर वह उसको इतने अच्छी तरीके से रखते थे कि वह किसी को गलत लगे, किसी को सही लेकिन सत्य है इसलिये कहते थे। हमको उनके साथ सन् 1985 से लेकर अब तक काम करने का मौका मिला और दो एक बार उनके साथ शासन में काम करने का मौका मिला।

श्रीमन्, जो राजकीय आवास उनको मंत्री के रूप में मिला था उसी के बगल में मेरा भी था। हमने जो सादगी की बात उनमें देखी है कि उनका जीवन सादा था। मैं उन्हें व्यक्तिगत रूप से भी जानता था। हमारे विद्यालय जो कि मेरी मां मैना देवी के नाम पर है, उसकी आधारशिला भी उन्होंने रखी। आज उनके निधन से हम सब बहुत दुःखी हैं और ईश्वर से प्रार्थना करते हैं उनका बेटा अनिल कुमार यादव जिसको कि वहां की जनता ने जिताने का काम किया है समाजवादी पार्टी से। हमें प्रसन्नता होगी कि उनका बेटा उनके पद चिन्हों पर चलते हुए लायक बाप का लायक बेटा बने। ईश्वर उनके शोक-संतप्त परिवार को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करे। आपसे निवेदन है कि हमारी शोक-संवेदनाएं उनके परिवार तक पहुंचाने की कृपा करें। मैं श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। हमारी यह शोक-संवेदनायें उनके शोक-संतप्त परिवार तक और सारे कार्यकर्ताओं तक पहुंचाने की कृपा करें।

* श्री अम्बिका चौधरी–

माननीय अध्यक्ष जी, बाबूराम यादव जी हमारे बीच नहीं हैं यह सच्चाई है और यह सच्चाई उसी तरह की कड़वी सच्चाई है जिस तरह की कड़वी सच्चाई को व्यक्त करने के लिये बाबूराम जी अलग से जाने जाते थे। किसी सही बात को कहने का साहस किसी में हो यह सामान्य बात है लेकिन माननीय बाबूराम जी में जो सबसे विलक्षण प्रतिभा थी वह यह थी कि कड़वी से कड़वी बात कहने के बाद भी उनके मन में कोई कलुष नहीं होता था, जिस व्यक्ति की वह आलोचना करते थे उसको प्रदर्शित करने के बाद भी उनके मन में उस व्यक्ति के प्रति कोई कलुषित भावना नहीं रहती थी। उस प्रकरण के समाप्त होने पर उनके मन में कोई दूसरी तरह का भाव नहीं होता था। उनकी स्मृतियों को याद करते हैं तो उनमें सबसे विशेष बात यह थी कि वह छोटे से छोटे साथी का भी सम्मान करते थे कम लोग ही ऐसा कर पाते हैं। बाबूराम जी में सादगी, सरलता, उदारता, स्पष्टवादिता इतने सारे गुणों का समावेश था, इसके साथ ही उनमें एक ऐसा गुण था जिसका सामाजिक राजनीतिक जीवन में लोप होता जा रहा है।

राजनैतिक जीवन में शुचिता का बहुत महत्व है, आचरण की शुद्धता का बड़ा महत्व है इसकी जीती-जागती प्रतिमूर्ति बाबूराम यादव जी थे। अगर हम बाबूराम जी के जीवन की कुछ बातों को भी अपने जीवन में उतार सकें तो यह उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उनकी प्रखरता और स्पष्टवादिता

---

* वक्ता ने भाषण का पुनरीक्षण नहीं किया।

के कारण उनकी उपस्थिति अलग से परिलक्षित होती थी जितने अनुशासित सदस्य के रूप में बाबूराम जी का आचरण था उतना अनुशासित सिपाही ढूंढने पर शायद ही मिले । मैं दो पंक्तियों में उनको श्रद्धांजलि अर्पित करना चाहता हूं । मान्यवर, माननीय बाबूराम जी का पिछले सत्र में, उसके पिछले सत्र में, पिछले पांच सालों में, जो आचरण रहा है मात्र वही नहीं अच्छे साथी के रूप में मेरा उनके साथ अनुभव रहा है जहां औपचारिकताओं पर ध्यान नहीं देते हैं इन्हीं बातों को नजरअंदाज करके मैंने उनसे एक दस्तखत करने को कहा, उन्होंने कहा तुम जानते हो यह असत्य है, मैंने आग्रह किया हस्ताक्षर कर दें, कहने लगे, जानते हो असत्य है सही नहीं है फिर भी आग्रह कर रहे हो कि इस पर हस्ताक्षर हो जाएं तो यह सम्भव नहीं है । मैं राजनीतिक जीवन में जिन बातों पर विश्वास नहीं करता हूं उन पर हस्ताक्षर नहीं करता । इस पर दूसरे लोगों से हस्ताक्षर करा लेना । ऐसी प्रखरता और स्पष्टवादिता उनमें थी । मैं उनके प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और आग्रह करता हूं कि हमारे श्रद्धा-सुमन उनके परिवार जनों तक पहुंचाने की कृपा करें ।

श्री अध्यक्ष–

स्वर्गीय श्री बाबूराम यादव जी पांच बार विधान सभा के सदस्य के रूप में निर्वाचित होने के पश्चात् इस सदन की सेवा करते रहे । प्रदेश में दो बार मंत्री भी रहे । मैं लगभग ।। वर्षों से व्यक्तिगत रूप से उन्हें जानता था । वह मेरे मित्र भी थे । व्यवहार कुशल, मृदु स्वभाव, निर्भीकतापूर्वक अपनी बात कहने की क्षमता, यह तो उनमें थी ही परन्तु सादा व्यवहार और प्रत्येक को सम्मान देना, यह उनकी विशेषता थी । मुझे अच्छी प्रकार से स्मरण है कि कभी-कभी सदन में उत्तेजना के क्षण आये, हम सबके मन विचलित हुए तो माननीय बबूराम जी ने बड़े स्पष्ट शब्दों में हमारी अपनी मर्यादाओं, अपनी सीमाओं, परम्पराओं अधिकारों और कर्तव्यों का ज्ञान कराया । माननीय प्रमोद कुमार जी ने ठीक ही कहा कि वे संसदीय ज्ञान के धनी थे और इसका लाभ इस सदन के सदस्य के रूप में सदैव हमें प्राप्त होता था । मैं तो इतना कह सकता हूं कि सदन के अन्दर और सदन के बाहर उन्होंने मेरे व्यक्तिगत अनुरोध को स्वीकार किया । कभी-कभी ऐसे क्षण आये और लगा कि वे मेरी बात को स्वीकार नहीं करेंगे लेकिन अध्यक्ष पीठ का सम्मान करते हुए सदन की मर्यादाओं को बनाने रखने का काम किया । उनके निधन से मुझे भी व्यक्तिगत क्षति हुई है । मैं माननीय नेता सदन, नेता प्रतिपक्ष और विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने जो शोकोद्गार व्यक्त किये हैं उससे अपने को सम्बद्ध करता हूं । मैं अपनी ओर से तथा सदन की ओर से उन्हें श्रद्धांजलि देता हूं । आ की शोक-संवेदनायें मैं उनके परिवार तक पहुंचा दूंगा । अब मेरा अनुरोध है कि उनकी आत्मा की शांति के लिये हम लोग खड़े होकर दो मिनट का मौन रखें ।

(दिवंगत आत्मा की शांति के लिए सभी सदस्य दो मिनट मौन खड़े हुए ।)

कृपया अपना आसन ग्रहण करें ।

विधान सभा के पूर्व सदस्य श्री धरम राम, श्री इसरारुल हक, श्री सुल्तान रजा मिर्जा, श्री विष्णु प्रताप सिंह, श्री संकठा प्रसाद शास्त्री, श्री बेनी प्रसाद माधव, श्री किशुन लाल मदेशिया, श्री राजबली, श्री गोस्वामी राधाकृष्ण, श्री चन्द्रबली ब्रह्मचारी तथा श्री नाथूराम शिक्षक के निधन पर शाकोद्गार

मुख्य मंत्री (श्री राम प्रकाश)–

आदरणीय अध्यक्ष महोदय, बड़े दुःख के साथ मुझे इस माननीय सदन को सूचित करना पड़ रहा है कि हमारे ।। भूतपूर्व माननीय सदस्य इस बीच नहीं रहे । श्री धरम राम जमानियां, गाजीपुर से बी० के० डी० से 74 व 77 में जनता पार्टी से निर्वाचित हुए थे । श्री इसरारुल हक जो फिरोजाबाद से

1952 में कांग्रेस के टिकट पर विधान सभा में आये थे, का भी निधन हो गया । श्री सुल्तान रजा मिर्जा का निधन 27 मई, 2000 को हो गया । श्री विष्णु प्रताप सिंह महादेवा, गोण्डा से 62, 67 व 77 में कांग्रेस के टिकट पर निर्वाचित हुए थे । श्री संकठा प्रसाद शास्त्री, चंदौली, वाराणसी से 1980 और 1985 में कांग्रेस के टिकट पर निर्वाचित हुए थे । श्री बेनी प्रसाद माधव बुलन्दशहर से 1977 में अनूपशहर, बुलन्दशहर से विधान सभा के लिए निर्वाचित हुए थे । वें 1964-70 तक विधान परिषद् के सदस्य रहे । वे जनता पार्टी के सदस्य थे । श्री किशुन लाल मदेशिया, नानपारा, बहाइच से 1967 में जनसंघ के टिकट पर निर्वाचित हुए थे । वे बड़े आर्य समाजी नेता । श्री राजबली, मया, फैजाबाद से 1967 में कम्युनिस्ट पार्टी के टिकट पर निर्वाचित हुए थे । श्री गोस्वामी राधाकृष्ण करवी, बांदा से 1969 में कांग्रेस के टिकट पर निर्वाचित हुए थे और बाद में राज्य मंत्री के रूप में भी उन्होंने सदन की सेवा की । श्री चन्द्रबली ब्रह्मचारी, आजमगढ़ से 1957 और 1980 में कांग्रेस के टिकट पर निर्वाचित हुए थे ।

श्री नाथू राम शिक्षक, इलाहाबाद से 1962, 1967 और 1977 में जनसंघ के टिकट पर निर्वाचित हुए थे । मीसा बंदी भी रहे और अनुसूचित जाति के सदस्य थे ।

श्रीमन्, इन सभी समाज सेवियों ने प्रदेश में अपना अमूल्य सहयोग दिया । विकास की धारा को प्रबल बनाया और विभिन्न दलों से सम्बन्ध रखने के बाद भी यह प्रदेश आगे बढ़े इसका सम्मान बढ़े इस दृष्टि से असाधारण सेवा का भाव प्रकट किया ।

मैं, श्रीमन्, अपने दल की ओर से, इस सदन की ओर से इन सभी महानुभावों के प्रति शोक संवेदना व्यक्त करता हूं और आपसे प्रार्थना करता हूं कि शोक-संतप्त परिवारों को हम लोगों की संवेदनायें भेजने की कृपा करें और उनके परिवारों को यह दारुण दुःख सहने की शक्ति प्रदान करे यह मैं भगवान से कामना करता हूं ।

नेता विरोधी दल (श्री धनी राम वर्मा)–

मान्यवर, इस सदन के माननीय भूतपूर्व सदस्य श्री धरम राम, श्री इसरारुल हक, श्री सुल्तान रजा मिर्जा, श्री विष्णु प्रताप सिंह, श्री संकठा प्रसाद शास्त्री, श्री बेनी प्रसाद माधव, श्री किशुन लाल मदेशिया, श्री राजबली, श्री गोस्वामी राधाकृष्ण, श्री चन्द्रबली ब्रह्मचारी, श्री नाथू राम शिक्षक आज हमारे बीच में नही हैं । श्रीमन्, इन सभी माननीय भू०पू० सदस्यों ने इस सदन में रहकर अपने विचारों से इस सदन को तो लाभान्वित किया ही जनता की विषम परिस्थितियों की उनकी समस्याओं को भी निपटाने का भी काम किया । यह अलग-अलग व्यक्तित्व के धनी थे । हमारे साथी भू०पू० विधायकों ने समाज के लोगों की चाहे वह गरीब हों और चाहे वह किसी मुसीबत में फंसे हुए हों उनकी समय-समय पर सेवायें कीं । श्रीमन्, उनकी अलग-अलग प्रतिभायें थीं । उनकी बुद्धि का और उनके काम करने का भी ढंग अलग था । श्रीमन्, यद्यपि उनकी जगह उनके क्षेत्र के ऐसे प्रदेश में बहुत से लोग सेवारत हो चुके हैं लेकिन जिस दृष्टिकोण से और जिस तरह से हमारे इन माननीय सदस्यों ने सदन में रहकर और सदन के बाहर समाज की सेवा की है उसकी पूर्ति करना बहुत ही मुश्किल है । यह क्षति अपूरणीय है ।

श्रीमन्, माननीय मुख्य मंत्री जी के विचारों से अपने को सम्बद्ध करते हुए सभी माननीय भूतपूर्व सदस्यों के लिये परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करूंगा कि वे उनकी आत्माओं को शाश्वत शांति और उनके परिवारीजनों को धैर्य धारण करने की क्षमता प्रदान करें । श्रीमन्, आपसे निवेदन कर रहा हूं कि मेरी और मेरे दल की भावनाओं को उनके परिवारी जनों तक पहुंचाने की कृपा करें ।

श्री स्वामी प्रसाद मौर्य–

माननीय अध्यक्ष महोदय, हमारे विधान सभा के भूतपूर्व माननीय सदस्य श्री धरम राम, गाजीपुर, श्री इसरारुल हक, फिरोजाबाद, श्री सुल्तान रजा मिर्जा, जौनपुर, श्री विष्णु प्रताप सिंह, गोण्डा, श्री संकठा प्रसाद शास्त्री, वाराणसी, श्री बेनी प्रसाद माधव, बुलन्दशहर, श्री किशुन लाल मदेशिया, बहराइच, श्री राजबली, अम्बेडकर नगर, श्री गोस्वामी राधाकृष्ण, चित्रकूट, श्री चन्द्रबली ब्रह्मचारी, आजमगढ़, श्री नाथूराम शिक्षक, इलाहाबाद ने इस माननीय सदन के सदस्य रहकर क्षेत्र की, प्रदेश के लोगों की समस्याओं को समय-समय पर यहां सदन में उठाने का काम किया और अपनी जनसेवा के माध्यम से क्षेत्र और प्रदेश की सेवा की आज वे हमारे बीच में नहीं हैं । हम इन सभी माननीय सदस्यों के निधन पर अपनी ओर से एवं अपनी बहुजन समाज पार्टी के माननीय सदस्यों की ओर शोक-संवेदनायें व्यक्त करते हैं और आप से अनुरोध करते हैं कि हमारी इस शोक-संवेदना को शोक-संतप्त परिवारों तक आप पहुंचाने का कष्ट करें ।

* ऊर्जा मंत्री (श्री नरेश चन्द्र अग्रवाल)–

माननीय अध्यक्ष महोदय, इस सदन के भूतपूर्व सदस्य श्री धरम राम, श्री इसरारुल हक, श्री सुल्तान रजा मिर्जा, श्री विष्णु प्रताप सिंह, श्री संकठा प्रसाद शास्त्री, श्री बेनी प्रसाद माधव, श्री किशुन लाल मदेशिया, श्री राजबली, श्री गोस्वामी राधाकृष्ण, श्री चन्द्रबली ब्रह्मचारी और श्री नाथूराम शिक्षक हमारे बीच में नहीं रहे । मान्यवर, माननीय नेता सदन, माननीय नेता प्रतिपक्ष और माननीय नेता बहुजन समाज पार्टी ने उनके प्रति जो शोक-संवेदनाएं व्यक्त की हैं, उनसे मैं अपने को और अपने दल को सम्बद्ध करता हूं । मान्यवर,श्री संकठा प्रसाद शास्त्री और श्री चन्द्रबली ब्रह्मचारी इस सदन में हमारे साथ सदस्य भी रहे हैं ।

मान्यवर, इन सभी की रुचि अलग-अलग क्षेत्रों में थी, जैसे कोई स्वतंत्रता संग्राम सेनानी रहा तो कुछ लोग उत्तर प्रदेश में मंत्री पद पर भी आसीन रहे, किसी की उद्योग में रुचि थी तो किसी की शिक्षा में और किसी की खेती में रुचि थी, जिसके माध्यम से उन्होंने समाज की सेवा की जिससे उनके क्षेत्रों की ही नहीं बल्कि प्रदेश को नयी दिशा मिली । उनके निधन से उन जनपदों को ही नहीं बल्कि पूरे प्रदेश को क्षति हुई है जो पूरी नहीं हो सकती है । इसलिये ईश्वर से प्रार्थना है कि उनकी आत्माओं को शांति प्रदान करे और शोक-संतप्त परिवारों को इस क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करे। इन शब्दों के साथ मान्यवर, आपसे अनुरोध है कि मेरी ओर से और मेरे दल की ओर से शोक-संवेदनायें शोक-संतप्त परिवारों तक आप भेजने का कष्ट करेंगे ।

लघु सिंचाई एवं ग्रामीण अभियंत्रण मंत्री (श्री मारकण्डेय चन्द)–

मान्यवर, इस सदन के पूर्व सदस्य स्वर्गीय श्री धरम राम, श्री इसरारूल हक, श्री सुल्तान रजा मिर्जा, श्री विष्णु प्रताप सिंह, श्री संकठा प्रसाद शास्त्री, श्री बेनी प्रसाद माधव, श्री किशुन लाल मदेशिया, श्री राजबली, श्री गोस्वामी राधा कृष्ण, श्री चन्द्रबली ब्रह्मचारी और श्री नाथू राम शिक्षक के निधन पर आज यह सदन अत्यन्त भारी मन से शोक संवेदना व्यक्त कर रहा है । इस अवसर पर माननीय नेता सदन और माननीय नेता प्रतिपक्ष एवं अन्य दलों के माननीय नेतागण ने जो शोक-संवेदना व्यक्त किया है, मैं उससे अपने को और अपने दल को सम्बद्ध करता हूं और आपसे अनुरोध करता हूं कि मेरी तथा मेरे दल की शोक-संवेदना उनके दुखी परिवार तक पहुंचाने की कृपा करें । ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि इन सभी माननीय पूर्व सदस्यों की दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करे ।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया ।

श्री प्रमोद कुमार–

माननीय अध्यक्ष जी, इस सदन के पूर्व सदस्य श्री धरम राम, श्री इसरारूल हक, श्री सुल्तान रजा मिर्जा, श्री विष्णु प्रताप सिंह, श्री संकठा प्रसाद शास्त्री, श्री बेनी प्रसाद माधव, श्री किशुन लाल मदेशिया, श्री राजबली, श्री गोस्वामी राधा कृष्ण, श्री चन्द्रबली ब्रह्मचारी और श्री नाथू राम शिक्षक के निधन पर जो शोकोद्गार माननीय नेता सदन माननीय नेता विरोध पक्ष और माननीय अन्य नेताओं ने व्यक्त किये हैं मैं उससे अपने को तथा अपने दल को सम्बद्ध करता हूं और आपसे प्रार्थना करता हूं कि हमारी तथा हमारे दल की शोक-संवेदना इन सभी सदस्यों के परिवार तक पहुंचाने की कृपा करें। मान्यवर, माननीय संकठा प्रसाद शास्त्री जी इस प्रदेश के मंत्री रहे और मंत्री के रूप में उन्होंने दलितों की आवाज को सदैव उठाया। मा०गोस्वामी राधा कृष्ण जी कमलापति त्रिपाठी मंत्रिमण्डल में महत्वपूर्ण विभागों के मंत्री के रूप में उन्होंने अपने दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया। इसी प्रकार से ये सभी सदस्य अपने कार्यकाल में जनता के प्रति समर्पित रहे और जनता की सेवा के लिये अपने कार्यकाल का उपयोग किया। इन शब्दों के साथ मैं अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूं।

श्री कौकब हमीद–

मान्यवर, इस सदन के पूर्व सदस्य श्री धरम राम, श्री इसरारूल हक, श्री सुल्तान रजा मिर्जा, श्री विष्णु प्रताप सिंह, श्री संकठा प्रसाद शास्त्री, श्री बेनी प्रसाद माधव, श्री किशुन लाल मदेशिया, श्री राजबली, श्री गोस्वामी राधा कृष्ण, श्री चन्द्रबली ब्रह्मचारी और श्री नाथू राम शिक्षक इन लोगों के न रहने से इनके क्षेत्र में ही नहीं पूरे प्रदेश में एक कमी रह जायेगी। मैं अपने दल की तरफ से और अपनी तरफ से गुजारिश करूंगा कि हमारी शोक-संवेदना उनके परिवार तक पहुंचाने की कृपा करें।

श्री रामजग–

मान्यवर, इस सदन के पूर्व सदस्य श्री धरम राम, श्री इसरारूल हक, श्री सुल्तान रजा मिर्जा, श्री विष्णु प्रताप सिंह, श्री संकठा प्रसाद शास्त्री, श्री बेनी प्रसाद माधव, श्री किशुन लाल मदेशिया, श्री राजबली, श्री गोस्वामी राधा कृष्ण, श्री चन्द्र बली ब्रह्मचारी और श्री नाथू राम शिक्षक, ये इस सदन के हमारे पूर्व माननीय सदस्य थे, इन लोगों का निधन हो गया। इन लोगों के निधन से, जिन्होंने विभिन्न दलों में रहकर अपने जिलों में और प्रदेश में अपनी सेवायें दी। मान्यवर, श्री राजबली को मैं व्यक्तिगत रूप से जानता हूं यह फैजाबाद में पहले कम्युनिस्ट आन्दोलन में अग्रणी नेता रहे और राष्ट्र की आजादी में कई बार जेल गये। मान्यवर, चन्द्रबली ब्रह्मचारी जी को भी मैं व्यक्तिगत रूप से जानता हूं। ये हमारे जिले के रहने वाले कांग्रेस आई के वरिष्ठ नेता थे शिक्षण संस्थाओं में अच्छे पदों पर रहकर उन्होंने कार्य किया। इस प्रकार हमारे ।। माननीय सदस्य जो इस सदन के पूर्व सदस्य थे, उनका देहान्त हो गया जिसके कारण एक अपूरणीय क्षति हुई है। इनके निधन से मैं और मेरा दल दुःखी है। मेरा निवेदन है कि हमारी शोक-संवेदना उनके शोक-संतप्त परिवार तक पहुंचाने का कष्ट करें।

श्री सुबाष चन्द्र श्रीवास्तव–

माननीय अध्यक्ष महोदय, आज हम सभी के बीच इस सम्मानित सदन के भूतपूर्व सदस्य श्री धरम राम, श्री इसरारूल हक, श्री सुल्तान रजा मिर्जा, श्री विष्णु प्रताप सिंह, श्री संकठा प्रसाद शास्त्री, श्री बेनी प्रसाद माधव, श्री किशुन लाल मदेशिया, श्री राजबली, श्री गोस्वामी राधा कृष्ण, श्री चन्द्रबली ब्रह्मचारी और श्री नाथू राम शिक्षक नहीं रहे। श्रीमन्, इन माननीय भूतपूर्व सदस्यों के निधन पर माननीय नेता सदन, माननीय नेता प्रतिपक्ष और अन्य सभी दलों के माननीय नेताओं ने जो

विचार व्यक्त किये हैं, मैं अपने को, सम्बद्ध करता हूं और आपसे निवेदन करता हूं कि इनके शोक संतप्त परिवारों तक हमारी तथा हमारे दल की संवेदना पहुंचाने की कृपा करें। माननीय अध्यक्ष महोदय, इन दिवंगत भूतपूर्व सदस्यों में श्री बेनी प्रसाद माधव जो बुलन्दशहर से निर्वाचित होकर आये थे, ने सन् 1942 के स्वाधीनता संग्राम में भी बढ़-चढ़कर भाग लिया था।

इसी प्रकार श्री राजबली जी, जो अम्बेडकर नगर से निर्वाचित होकर आये थे, वह भी स्वाधीनता संग्राम सेनानी थे। स्वाधीनता संग्राम आन्दोलन में उनकी भी सक्रिय भागीदारी रही। वह 1967 में इस सदन में निर्वाचित होकर आये थे। इन भूतपूर्व सदस्यों के निधन से जो रिक्तता आयी है, उसकी बहुत जल्दी भरपाई नहीं हो पायेगी। आज इन भूतपूर्व सदस्यों के निधन से हम सभी बेहद दुःखी हैं। मैं आपसे प्रार्थना करता हूं कि इनके शोक संतप्त परिवारों तक मेरी तथा मेरे दल की शोक-संवेदनायें पहुंचाने की कृपा करें।

वन मंत्री (श्री राजधारी सिंह)–

माननीय अध्यक्ष जी, हमारे सम्मानित भूतपूर्व सदस्यों के आकस्मिक निधन पर माननीय नेता सदन, माननीय नेता प्रतिपक्ष और विभिन्न दलों के नेताओं ने जो अपनी शोक-संवेदना प्रकट की है, मैं भी अपनी और अपने दल की भावना को उससे सम्बद्ध करता हूं और आपसे अनुरोध करता हूं कि इनके शोक संतप्त परिवार तक हमारी सद्भावना पहुंचाने का कष्ट करें।

श्री राजेन्द्र यादव–

माननीय अध्यक्ष जी, सदन के भूतपूर्व सदस्य श्री धरम राम, गाजीपुर, श्री इसरारूल हक, फिरोजाबाद, श्री सुल्तान रजा मिर्जा, जौनपुर, श्री विष्णु प्रताप सिंह, गोण्डा, श्री संकठा प्रसाद शास्त्री, वाराणसी, श्री बेनी प्रसाद माधव, बुलन्दशहर, श्री किशुन लाल मदेशिया, बहराइच, श्री राजबली, अम्बेडकर नगर, श्री गोस्वामी राधाकृष्ण, चित्रकूट, श्री चन्द्र बली ब्रह्मचारी, आजमगढ़ और श्री नाथू राम शिक्षक, इलाहाबाद हमारे बीच में नहीं हैं। मान्यवर, इनके निधन के प्रति जो शोक-संवेदनायें माननीय नेता सदन, नेता प्रतिपक्ष, नेता बसपा, नेता कांग्रेस एवं अन्य नेताओं ने व्यक्त की हैं, मैं अपने को और अपने दल को उनसे सम्बद्ध करते हुए अपनी शोक-संवेदना व्यक्त करता हूं। इसमें श्री धरमराम यादव जी मेरे जनपद के थे और पंहली बार 1974 में जमानियां विधान सभा से बी० के० डी० के चुनाव चिन्ह पर निर्वाचित हुए थे। उसके बाद पुनः 1977 में जनता पार्टी के टिकट पर निर्वाचित हुए थे। पूरा जनपद उनको मनुज के नाम से जानता था। वे अपने जमाने के कुशल समाजसेवी थी। कई संस्थाओं में पदाधिकारी भी रहे। मान्यवर, उनके बारे में मैं इसलिए सदन के बीच में कह रहा हूं, 87 में जब मैं कालेज में था, जब भी मिलते थे तो कहते थे कि बेटा तुम्हें कभी विधान सभा में जाना है। इसी तरीके से राजबली जी थे जो हमारे जिले में जाया करते थे। मान्यवर, इन तमाम साथियों के प्रति अपने दल की ओर से और अपनी ओर से शोक-संवेदना व्यक्त करता हूं और निवेदन करता हूं कि मेरे दल की ओर से शोक-संतप्त परिवारों तक शोक-संवेदना पहुंचाने की कृपा करें।

श्री अध्यक्ष–

सदन के पिछले सत्र की समाप्ति और वर्तमान सत्र के प्रारम्भ के बीच में 10 पूर्व माननीय सदस्यों का निधन हो गया। एक माननीय सदस्य श्री धरम राम जी का निधन विगत सत्र के भी पूर्व हो गया था। श्री धरम राम जी ने 80 वर्ष की अवस्था में अपना शरीर त्याग किया। वह इस सदन के दो बार सदस्य रहे। 1977 में जब वह निर्वाचित होकर आये थे तभी मेरा उनसे व्यक्तिगत परिचय हुआ था। श्री इसरारूल हक का निधन 80 वर्ष की आयु में, श्री सुल्तान रजा मिर्जा का निधन 55 वर्ष में और श्री विष्णु प्रताप सिंह की 66 वर्ष में मृत्यु हुई। श्री संकठा प्रसाद शास्त्री का निधन 66 वर्ष की

आयु में, श्री बेनी प्रसाद माधव का 80 वर्ष की आयु में, श्री किशुन लाल मदेशिया का 82 वर्ष की आयु में, श्री राजबली जी का 88 वर्ष की आयु में और श्री गोस्वामी राधा कृष्ण का 77 वर्ष में हुआ ।

इसी प्रकार चन्द्रबली ब्रह्मचारी जी ने 92 वर्ष में और श्री नाथू राम शिक्षक ने 81 वर्ष की आयु प्राप्त करने के बाद अपना शरीर त्याग किया । इसी से स्पष्ट है कि सभी ने समाज की और राजनीति की बड़े दीर्घ समय तक सेवा की है । श्री विष्णु प्रताप सिंह, श्री बेनी प्रसाद माधव, माननीय श्री गोस्वामी राधाकृष्ण और माननीय नाथूराम शिक्षक जी से हम व्यक्तिगत रूप से परिचित थे। इन सभी ने अपने-अपने जनपद में विशिष्ट सेवाएं की हैं । इनके निधन से इस सदन की क्षति तो हुई ही है, मेरी व्यक्तिगत क्षति भी हुई है । इस सदन ने जो शोक-संवेदना व्यक्त की है,मैं भी अपने को उससे सम्बद्ध करता हूं और अपनी ओर से तथा सदन की ओर से श्रद्धा-सुमन अर्पित करता हूं । मैं इस सदन और माननीय सदस्यों द्वारा व्यक्त शोकोद्गार उनके परिवार तक पहुंचा दूंगा । अब हम इन दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए दो मिनट का मौन धारण करेंगे ।

(दिवंगत आत्माओं की शान्ति के लिए सभी सदस्य दो मिनट मौन खड़े हुए ।)

श्री अध्यक्ष–

अब हम उठते हैं । कल दिनांक 20 अक्टूबर, 2000 को पुनः 11.00 बजे बैठेंगे ।

(इसके बाद सदन का उपवेशन 12 बजकर 20 मिनट पर अगले दिन के 11 बजे तक के लिए स्थगित हो गया)

लखनऊ :

दिनांक 19 अक्टूबर, 2000

राजेन्द्र प्रसाद पाण्डेय,

सचिव, विधान सभा,

उत्तर प्रदेश ।

पी०एस०यू०पी०–एल० 308 विधान सभा (713)-2000–815 (डी०टी०पी०)–